निरंतर अभ्यास-ज्ञान और सत्य के साथ

काल: सत्यं वदति

दैनिक

सच समाचार

www.dainiksachsamachar.com, E-mail ID: sachsamachar013@gmail.com

RNI NO. - MPHIN/2025/A2700

वर्ष-1 ॥ अंक- 332 ॥ पृष्ठ-8 ॥ शुल्क- 2 रुपए ॥ भोपाल ॥ बुधवार 09 सितंबर ॥ 2026

सच-संक्षेप

पत्नी को मनाने 200 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ा दिव्यांग पति

नांदेड़। नांदेड़ में 40 साल का दिव्यांग पति फिल्मी अंदाज में रूठी पत्नी को मनाने के लिए 200 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। पत्नी झगड़े के बाद घर छोड़कर मायके चली गई थी। यह दंपती मूक- बधिर है। सुबह करीब आठ बजे मुखेड तहसील के बेटमोगारा का रहने वाला शादुल शेख लोहा बस स्टैंड के पास मोबाइल टावर पर चढ़ गया। उसने ससुराल वालों से पत्नी को वापस भेजने और उनकी शादी बचाने की अपील करते हुए बड़ा बैनर लहराया।

मणिपुरी संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की हत्या

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में मणिपुरी संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की मौत पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि चोंगथम विक्रम सिंह मणिपुर के एक प्रसिद्ध संगीतकार, अपने घर के बाहर कुछ लोगों से शोर कम करने के लिए कहने नीचे गए थे। उन्हें इसके लिए पीट-पीटकर मार डाला गया। एक पिता को अपने ही घर के बाहर, अपने ही देश की राजधानी में हत्या कर दी गई। ऐसी कई घटनाओं के बाद आज दिल्ली में रहने वाला हर पूर्वोत्तर परिवार एक ही सवाल पूछ रहा है कि क्या हम यहां सुरक्षित हैं?

लोगों को पोर्न दिखाकर जंग लड़ेगा यूक्रेन

कीव। रूस के खिलाफ जंग लड़ रहे यूक्रेन में पोर्नोग्राफी को कानूनी रूप से वैध बनाने का प्रस्ताव सामने आया है। यूक्रेनी सांसद यारोस्लाव जेलेजनियाक के समर्थन वाला एक बिल एडल्ट एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को कानूनी अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनाने की कोशिश कर रहा है। जेलेजनियाक यूक्रेनी संसद की वित्त समिति के अध्यक्ष हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, जेलेजनियाक का अनुमान है कि पोर्नोग्राफी को कानूनी बनाने से सरकार को टैक्स के रूप में करीब 25 मिलियन डॉलर यानी 2.5 करोड़ डॉलर की आमदनी हो सकती है। उनका कहना है कि यह रकम युद्ध के लिए करीब 30 हजार ड्रोन खरीदने के लिए पर्याप्त हो सकती है।

देश के 108 शहरों में हवा की गुणवत्ता सुधरी

नई दिल्ली। देश के कई शहरों में वायु प्रदूषण कम करने की कोशिशों का असर दिखने लगा है और 108 शहरों की हवा की गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने सोमवार को स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर पांचवें स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार प्रदान किये। मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत 2017-18 की तुलना में 2025-26 में 130 में से 108 शहरों में हवा में मौजूद बारीक धूल के कणों (पीएम10) के स्तर में कमी आयी है।

इनमें 72 शहरों में 20 प्रतिशत से अधिक और 26 शहरों में 40 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गयी है। वहीं, 14 शहर राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानकों को हासिल करने में सफल रहे हैं। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 130 शहरों को अब तक 16,425 करोड़ रुपए का प्रदर्शन आधारित अनुदान दिया गया है। इस राशि का इस्तेमाल वायु प्रदूषण कम करने के उपायों के लिए किया जा रहा है। हरित न्यायाधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि स्वच्छ हवा हासिल करना संभव है और इसके लिए सही योजना तथा जमीन पर प्रभावी ढंग से काम करना जरूरी है। उन्होंने प्रदूषण के स्रोतों पर रोक लगाने और नयी तकनीक अपनाने में स्थानीय निकायों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

असम की सरकारी स्कीम पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: शिक्षकों की नियुक्ति पर रोक, भर्ती प्रक्रिया पर क्यों उठे सवाल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को असम सरकार और उसके शिक्षा विभागों को निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि वे राज्य में सरकारी स्कीम (प्रोविंशियलाइजेशन) स्कीम के तहत स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षकों की नियुक्ति या उन्हें शामिल न करें। वेंचर शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों और कर्मचारियों को सरकारी सेवा में शामिल करने की कानूनी योजना के तहत, राज्य सरकार तय वेतन और ग्रेच्युटी, पेंशन व छुट्टी के बदले नकद भुगतान (लीव एनकैशमेंट) की देनदारियों को अपने ऊपर ले लेती है। ये भुगतान राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए लागू मौजूदा नियमों के अनुसार किए जाते हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की पीठ ने जनहित याचिका के याचिकाकर्ताओं राजेश चौहान और माधव मुकुंद पुजारी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत कुमार की दलीलों पर ध्यान दिया।जनहित याचिका में प्रांतीयकरण (प्रोविंशियलाइजेशन) ढांचे को इस आधार पर चुनौती दी गई थी कि यह कथित तौर पर निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी भर्ती प्रक्रिया के बिना सरकारी सेवाओं में प्रवेश की अनुमति देता है।

एआईएम कांग्रेस-2026 का तीसरा दिन

मोहन ने दुबई में मध्यप्रदेश के विकास के लिए कीं ताबड़तोड़ बैठकें

एल टी पगरानी, चेयरमैन, चोइथराम्स, »किंजल ज़वेरी, सीईओ प्योर लैब एंड प्योर वन, प्योर हेल्थ »श्याम कपूर प्रेसिडेंट एंड सीईओ शराफ ग्रुप »डीएस राणा ,चेयरमैन एवं एमडी राणा होल्डिंग लिमिटेड »हीज़ हाईनेस बदर जफ़र, सीएमडी क्रिसेंट ग्रुप, »सिद्धार्थ बालचंद्रन , चेयरमैन ब्विमर्क कारपोरेशन »डीपी वर्ल्ड के सीईओ रिजवान सूमर से की वन-टू-वन चर्चाऔर सभी को मध्यप्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2027 में आमंत्रित किया

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई में ताज दुबई में ब्यूमर्क कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन और सीईओ सिद्धार्थ बालाचंद्रन से वन-टू-वन मीटिंग की। दोनों के बीच इंफ्रास्ट्रक्चर, हेल्थ केयर, टेक्नोलॉजी, एनर्जी सहित कई सेक्टर में निवेश को लेकर चर्चा हुई। बैठक में एक ओर बालाचंद्रन ने कंपनी की जानकारी दी, तो वहीं दूसरी ओर सीएम डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में संभावनाओं पर मंथन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डीपी वर्ल्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिजवान सूमार के साथ चर्चा की। दोनों के बीच लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन सहित कई मुद्दों पर बातचीत हुई। डीपी वर्ल्ड मध्यप्रदेश में पहले से ही संचालित है। इसलिए इसका ज्यादा विस्तार कर और फायदा लिया जा सकता है। इस बैठक में दोनों के बीच मध्यप्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी को लेकर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राणा होल्डिंग्स लिमिटेड के चेयरमैन-मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. दर्शन सिंह राणा से मुलाकात की। दोनों के बीच मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर अहम चर्चा हुई। सीएम डॉ. यादव ने स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, डेटा सेंटर सहित कई मुद्दों पर जानकारी ली। दोनों ने आपसी सहयोग को मजबूत करने की बात कही। बैठक में 10 साल के इंवेस्टमेंट प्रोग्राम का प्रस्ताव रखा गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जेम्स एजुकेशन कंपनी के चेयरमैन-फाउंडर सनी वर्की से मुलाकात की। सीएम डॉ. यादव ने वर्की को मध्यप्रदेश की एजुकेशन पॉलिसी के बारे में बताया। इसके अलावा उन्होंने प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं से भी अवगत कराया। सीएम डॉ. यादव ने वर्की को बताया कि नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद मध्यप्रदेश के विद्यार्थियों का रुझान स्कूलों की तरफ बढ़ गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ब्यूमर्क कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन और सीईओ सिद्धार्थ बालाचंद्रन से वन-टू-वन मीटिंग की। दोनों के बीच इंफ्रास्ट्रक्चर, हेल्थ केयर, टेक्नोलॉजी, एनर्जी सहित कई सेक्टर में निवेश को लेकर चर्चा हुई। बैठक में एक ओर बालाचंद्रन ने कंपनी की जानकारी दी, तो वहीं दूसरी ओर सीएम डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में संभावनाओं पर मंथन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शराफ ग्रुप के प्रेसिडेंट-सीईओ श्याम कपूर से अहम मुलाकात की। दोनों के बीच शिपिंग-लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में मध्यप्रदेश के हर सेक्टर में निवेश की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कपूर को अगले साल होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर समिट (जीआईएस) 2027 के लिए आमंत्रित किया।

सागर के बाद दमोह में भी शराब का खौफ
देसी मदिरा पीते ही युवक हुआ बेहोश

सच संवाददाता ॥ दमोह

सागर जिले के बंडा क्षेत्र में संदिग्ध जहरीली शराब से हुई मौतों के बीच दमोह जिले में शराब पीने के बाद एक युवक की अचानक तबीयत बिगड़ने से हड़कंप मच गया। तेजगढ़ थाना क्षेत्र की इमलिया चौकी अंतर्गत गणेशपुरा-हरदुआ निवासी भगवान सिंह गौड़ को सोमवार रात गंभीर हालत में दमोह जिला अस्पताल लाया गया। युवक बेहोशी की हालत में था और उसके मुंह से झाग निकल रहा था। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने देर रात उसे सागर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि युवक ने शराब कहां से खरीदी थी और उसने किस ब्रांड की शराब का सेवन किया था। पुलिस ने इमलिया स्थित शराब दुकान से शराब के सैंपल भी लिए हैं।

शुरुआत में जानकारी सामने आई कि

भगवान सिंह सोमवार शाम सागर जिले के रहली थाना क्षेत्र के बलेह से शराब पीकर दमोह लौटा था। इसके बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। उल्टियां होने के बाद वह बेहोश हो गया। परिजन उसे रात करीब 10 बजे दमोह जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। हालांकि, बाद में परिजनों ने पुलिस को बताया कि युवक ने हरदुआ में स्थित शराब दुकान से भी शराब खरीदी और उसका सेवन किया था। इसी विरोधाभासी जानकारी के बाद पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। पुलिस यह भी पता कर रही है कि युवक ने बलेह में शराब पी थी या हरदुआ की दुकान से खरीदी गई शराब का सेवन किया था।

ललितपुर एसीपी बोले- सागर की जहरीली शराब यूपी नहीं मध्यप्रदेश की फैक्ट्रियों की

जहरीली शराब कांड में उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले से शराब आने के सागर पुलिस के दावे को लेकर अब नया विवाद सामने आया है। ललितपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कालू सिंह ने सागर पुलिस के इस दावे को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि ललितपुर जिले में इस प्रकार की कोई अवैध शराब बनाए जाने की जानकारी नहीं है। सागर में जो भी शराब बिकी है वह मध्यप्रदेश की ही जिस्ट्रलरियों की होगी। ललितपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सागर पुलिस की ओर से मीडिया में यूपी कनेक्शन को लेकर जो जानकारी दी गई है, वह भ्रामक है। उन्होंने कहा कि यदि सागर पुलिस के पास ललितपुर से अवैध या जहरीली शराब आने से जुड़े कोई तथ्य या साक्ष्य हैं तो उन्हें ललितपुर पुलिस के साथ साझा किया जाए।दरअसल, सागर एसपी अनुराग सुजानिया ने जहरीली शराब कांड की जांच के दौरान मीडिया को बताया था कि सागर में पहुंची जहरीली शराब का कनेक्शन उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले से जुड़ा है। अब ललितपुर एएसपी के बयान के बाद दोनों राज्यों की पुलिस के दावों में अंतर सामने आया है।जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले में अब जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों पर नजर रहेगी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि संदिग्ध शराब कहां से आई और इसके निर्माण, भंडारण और वितरण में कौन लोग शामिल हैं।

सैटेलाइट तस्वीरों में देश से 90 प्रतिशत बादल गायब

नई दिल्ली ॥ एजेंसी

मौसम विभाग की नई सैटेलाइट तस्वीरों में भारत के 90 प्रतिसत हिस्से में बादल गायब नजर आ रहे है। खासकर उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में बादलों की कमी ज्यादा दिखाई दे रही है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, यह मानसून की गतिविधि कमजोर होने का संकेत है। हालांकि, मानसून की आधिकारिक वापसी अभी शुरू नहीं हुई है। बादलों की इस कमी को अल नीनो के प्रभाव यानी समुद्र के गर्म होने से मौसम में हो रहे बड़े बदलावों से जोड़कर देखा जा रहा है। बिहार में गंगा, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और बागमती नदियों के उफान से बाढ़ की स्थिति बन गई है। राज्य के 13 जिलों में 27 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ के कारण अब तक 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। महाराष्ट्र के अंबोली में चेरापूंजी से भी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। आईएमडी

के मुताबिक, यहां अगस्त तक 250 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। सितंबर तक 400 इंच बारिश होने की संभावना है। मध्य प्रदेश में अब तक औसत 31.1 इंच बारिश हो चुकी है। यह अब तक की बारिश के कोटे की 83.5 प्रतिशत है। भोपाल समेत 12 जिलों में सामान्य से ज्यादा पानी गिर चुका है। इतने ही जिले बेहतर स्थिति में हैं, लेकिन 31 जिलों में अभी भी बारिश का आंकड़ा काफी कम है। उत्तराखंड में पिछले एक हफ्ते से रुक-रुककर बारिश जारी है।

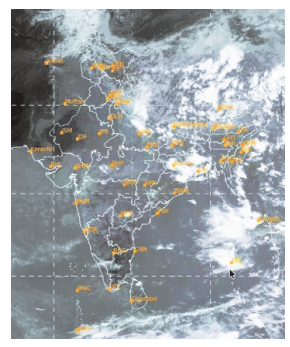

महाकाल मंदिर में आरती के दौरान पुजारी बेहोश

उज्जैन। उज्जैन में महाकाल की राजसी सवारी लौटने के बाद मंदिर के सभामंडप में भगवान चंद्रमोलेश्वर की आरती के दौरान पुजारी आशीष शर्मा अचानक बेहोश हो गए। इससे मंदिर में हड़कंप मच गया। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत आकस्मिक चिकित्सा केंद्र पहुंचाया। मंदिर के डॉक्टरों ने उनका बीपी और शुगर चेक किया। दोनों रिपोर्ट सामान्य आने के बाद डॉक्टरों ने उन्हें घर पर आराम करने की सलाह दी। इसके बाद उन्हें घर भेज दिया गया। फिलहाल उनकी हालत ठीक है। पुजारी आशीष शर्मा की रात को एक बार फिर तबीयत खराब होने के बाद उन्हें उज्जैन के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। देर रात तक उनका इलाज चला, जहां उज्जैन कलेक्टर उनका हाल-चाल जानने पहुंचे थे। इसके बाद सुबह फिर से पुजारी आशीष शर्मा अस्पताल से छुट्टी लेकर घर पहुंच गए हैं, जहां उनका इलाज जारी है। पुजारी संजय ने बताया कि आशीष शर्मा दोपहर करीब एक बजे से सवारी की तैयारियों में जुटे थे। पूरी सवारी के दौरान वे पालकी के पास रहे। भारी भीड़ और उमस भरे मौसम के कारण संभवत: आरती के दौरान उन्हें चक्कर आ गए।

सर्जियो गोर का बड़ा बयान, बोले, नासा ने इसरो को भेजा न्योता

अमरीका के साथ चांद पर जाएगा भारत

नई दिल्ली ॥ एजेंसी

अमरीका चांद पर फिर से इनसानों को भेजने की तैयारी कर रहा है और इस काम में वह भारत को भी साथ चाहता है। भारत में अमरीकी राजदूत सर्जियो गोर ने बंगलुरु स्पेस एक्सपो 2026 में कहा कि नासा ने इसरो को अपने मून बेस प्रोग्राम में शामिल होने का न्योता दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका चांद पर लौट रहा है और चाहता है कि भारत भी उसके साथ चांद की सतह पर काम करे। सर्जियो गोर ने भारत और अमरीका के बीच बढ़ते स्पेस कोऑपरेशन का भी जिक्र किया। उन्होंने निसार मिशन और ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन यात्रा को दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग का उदाहरण बताया। अब

दोनों देश एस्ट्रोनॉट ट्रेनिंग, स्पेसक्राफ्ट डॉकिंग और दूसरे स्पेस मिशन में भी साथ काम करने की तैयारी कर रहे हैं। नासा का आर्टेमिस प्रोग्राम चांद पर इनसानों को फिर भेजने की योजना है। इसका मकसद चांद पर साइंटिफिक रिसर्च करना और वहां लंबे समय तक इंसानों के काम करने की तैयारी करना है। इस मिशन से मिलने वाली जानकारी का इस्तेमाल आगे मार्स मिशन की तैयारी में भी किया जाएगा। भारत ने 2023 में आर्टेमिस अकॉर्ड्स पर हस्ताक्षर किए थे। अब नासा ने इसरो को मून बेस प्रोग्राम में शामिल होने का न्योता दिया है। इससे दोनों देशों के बीच मून एक्सप्लोरेशन को लेकर साथ काम करने के नए रास्ते खुल सकते हैं। भारत और अमरीका पहले ही निसार सैटेलाइट पर साथ काम कर चुके हैं। नासा और इसरो ने मिलकर इस सैटेलाइट को बनाया है। इसे 30 जुलाई,2025 को भारत के जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट से लॉन्च किया गया था। निसार रडार की मदद से पृथ्वी की जमीन, बर्फ और पानी में होने वाले बदलावों की जानकारी जुटाता है। इसकी मदद से अर्थक्वेक, फ्लड, लैंडस्लाइड और वॉल्केनिक इरप्शन जैसी नेचुरल डिजास्टर को समझने में मदद मिल सकती है।

टीकमगढ़ नपा अध्यक्ष को हाई कोर्ट से राहत

टीकमगढ़। जबलपुर उच्च न्यायालय से टीकमगढ़ नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार को बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा उनके निष्कासन आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। दूसरी ओर राज्य निर्वाचन आयोग ने इस स्टे आदेश के आने से पहले ही प्रदेश भर के विभिन्न नगरीय निकायों में होने वाले उप-निर्वाचनों को आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया है। उच्च न्यायालय के जस्टिस विशाल मिश्रा की एकल पीठ ने राज्य सरकार के 7 अप्रैल 2026 के उस आदेश पर रोक लगाई, जिसके तहत धारा 41-क का प्रयोग कर अब्दुल गफ्फार को पद से हटाया गया था और 20.83 लाख रुपये की वसूली निकाली गई थी।कोर्ट ने याचिका के लंबित रहने तक गफ्फार को पुन: अध्यक्ष पद पर कार्य करने की अनुमति प्रदान की है। हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि प्रेसिडेंट इन काउंसिल के सामूहिक निर्णयों के लिए अकेले अध्यक्ष को उत्तरदायी ठहराना और बिना विस्तृत जांच के हटाना अनुचित है। इसी बीच राज्य निर्वाचन आयोग ने निर्णय लेते हुए नगरीय निकाय उप-निर्वाचन वर्ष-2026 (पूर्वार्द्ध) के कार्यक्रम को स्थगित करने का आदेश जारी किया था।

अध्ययन ॥ मोबाइल इंटरनेट से बढ़ी समस्या, गुवाहाटी में स्थिति गंभीर, लड़कों की तुलना में लड़कियों पर ज्यादा खतरा

देशभर के स्कूलों में बढ़ रहा नशे का खतरा

नई दिल्ली ॥ एजेंसी

स्कूल जाने की उम्र में नशे का खतरा बच्चों पर तेजी से बढ़ रहा है। आईसीएमआर के छह शहरों के स्कूलों पर हुए महत्वपूर्ण अध्ययन में इसका खुलासा हुआ है। गुवाहाटी के स्कूलों में 42.3प्रतिशत किशोर मध्यम या ज्यादा खतरे वाली श्रेणी में मिले। वहीं पुडुचेरी में यह आंकड़ा सिर्फ 0.1प्रतिशत रहा। गोरखपुर में भी 24.5प्रतिशत किशोर इस श्रेणी में थे। अध्ययन में यह भी सामने आया कि जिन किशोरों को नशीले पदार्थ आसानी से मिल सकते हैं और जो मोबाइल-इंटरनेट की दुनिया में ज्यादा समय बिताते हैं, उनमें नशे से जुड़े खतरे की संभावना ज्यादा रहती है। शोध को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान गोरखपुर, गुवाहाटी, नागपुर, राजकोट और देवघर तथा जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पुडुचेरी के शोधकर्ताओं ने किया।

हर चार में करीब एक किशोर खतरे में

जगह का नाम	कितना खतरा	जगह का नाम	कितना खतरा
गुवाहाटी	42.3प्रतिशत	देवघर	41.3प्रतिशत
गोरखपुर	24.5प्रतिशत	राजकोट	13.5प्रतिशत
नागपुर	7.1प्रतिशत	पुडुचेरी	0.1 प्रतिशत

108 स्कूलों से मिला डाटा

शोधकर्ताओं ने अक्तूबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच आंकड़े जुटाए। अध्ययन में छह जगहों के सरकारी और निजी स्कूलों में पढ़ने वाले 10 से 19 साल के किशोरों को शामिल किया गया। कुल 108 स्कूलों से 6,168 किशोर अध्ययन में शामिल हुए। इनमें गोरखपुर से 1,223, गुवाहाटी से 890, नागपुर से 1,082, राजकोट से 919, देवघर से 1,066 और पुडुचेरी से 988 किशोर शामिल थे। छह जगहों के आंकड़ों को मिलाकर 21.4 प्रतिशत किशोर मध्यम या ज्यादा नशा-जोखिम वाली श्रेणी में मिले।

नशीली चीजें आसानी से मिलें तो खतरा बढ़ा

शोध के मुताबिक जिन किशोरों को लगा कि आसपास नशीली चीजें आसानी से मिल सकती हैं, उनमें ज्यादा खतरे वाली श्रेणी में आने की संभावना अधिक थी। खास तौर पर मोबाइल और इंटरनेट समेत डिजिटल माध्यमों पर ज्यादा समय बिताने वालों में खतरे की आशंका ज्यादा है। ज्यादा डिजिटल संपर्क वाले किशोरों में ज्यादा खतरे वाली श्रेणी में आने की संभावना बढ़ी हुई थी।

कानूनी पचड़े में नोरा फतेही, एविएशन कंपनी ने ठोका 3 करोड़ का मानहानि केस

गांधीनगर। एक एविएशन कंपनी ने गांधीनगर कोर्ट में बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही के खिलाफ 3 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। कंपनी का आरोप है कि सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की अपमानजनक और गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी से कंपनी की साख को भारी नुकसान पहुंचा है। एक्ट्रेस ने कंपनी के चार्टर्ड विमान को लेगो एयरप्लेन कहा था। सीनियर सिविल जज आर। अग्रवाल की अदालत इस मामले की सुनवाई 25 सितंबर को होगी।ड्यून्स एविएशन की ओर से दायर मुकदमे के अनुसार, फतेही ने पिछले साल दिसंबर में मुंबई-जयपुर उड़ान के दौरान सेसना साइटेशन सीजे2 विमान के अंदर वीडियो रिकॉर्ड किए थे।

मानसून का अधिकांश हिस्सा गुजरने के बाद भी नीमच के बांध-तालाब पानी को तरसे। रबी फसल पर मंडराएगा संकट

क्या प्यासा ही रहेगा नीमच ? अभी तक खंड-खंड बारिश, जलस्त्रोतों में महज 34 फीसदी पानी

सच संवाददाता ॥ नीमच

मध्य प्रदेश में जहां एक ओर भारी बारिश तबाही मचाए है तो वहीं कई जिले पर्याप्त पानी को तरस रहे हैं। मालवा का नीमच जिला भी कम बारिश से जूझ रहा है। नीमच में 2 सितंबर तक मात्र 22 इंच बारिश दर्ज हुई है, जबकि पिछले साल इसी अवधि तक 41 इंच बारिश हो चुकी थी। यानी पिछले साल की तुलना में इस साल अब तक करीब 50 फीसदी ही बारिश दर्ज हुई है। कम बारिश का सीधा असर बांधों तालाबों और पेयजल स्त्रोतों पर दिखाई दे रहा है। वर्तमान में जिले के 39 प्रमुख जलस्त्रोतों में कुल जलभराव क्षमता का मात्र 34 फीसदी पानी ही जमा हो पाया है।

जल संसाधन विभाग के अनुसार जिले में करीब 39 बांध और तालाब हैं, जिनकी कुल जलभराव क्षमता 83.25 एमसीएम है। इन जलस्त्रोतों से करीब 15 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई होती है। साथ ही कई नगरों और दर्जनों गांवों की पेयजल व्यवस्था भी इन्हीं जलस्त्रोतों पर निर्भर है। इस साल अब तक इन सभी जलस्त्रोतों में सिर्फ 27.91 एमसीएम पानी जमा हुआ है, जो कुल क्षमता का लगभग 34 फीसदी हैपिछले साल 1 सितंबर की स्थिति में जिले के 39 जलस्त्रोतों में करीब 75.27 एमसीएम पानी जमा था, जो कुल क्षमता का लगभग 90 फीसदी था। इसके मुकाबले इस साल अब तक सिर्फ 27.91 एमसीएम पानी ही संग्रहित हो पाया है। पिछले साल की तुलना में जलसंग्रहण में करीब 41 फीसदी की कमी है।

जल संसाधन विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जिले के 39 जलस्त्रोतों में से 17 में अभी तक कोई जल आवक नहीं हुई है। 7 जलस्त्रोतों में 0 से 25 फीसदी सात में 25 से 50 फीसदी और 5 जलस्त्रोतों में 50 से 69 फीसदी तक पानी है। वहीं सिर्फ 3 जलस्त्रोत ऐसे हैं, जो 100 फीसदी तक भर पाए हैं। यह स्थिति जिले के जलसंकट की गंभीरता को दर्शाती है।

जीरन क्षेत्र की सिंचाई और पेयजल व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण जीरन तालाब में भी इस बार पर्याप्त पानी नहीं आया है। वर्तमान में तालाब में करीब 10 फीसदी ही पानी जमा हो पाया है। इससे आसपास के किसानों के सामने आगामी रबी सीजन में सिंचाई को लेकर चिंता बढ़ने लगी है।

कुकड़ेश्वर नगर की पेयजल व्यवस्था जिस तालाब पर निर्भर है, वह अब तक सूखा पड़ा है। बारिश की कमी के चलते तालाब में पर्याप्त जलभराव नहीं हो पाया है। यदि आगामी दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो नगर की पेयजल व्यवस्था के सामने संकट खड़ा हो सकता है। हर्कियाखाल और शिवाजी सागर बांध से नीमच शहर को पेयजल उपलब्ध कराने के साथ उद्योगों को भी पानी दिया जाता है।वहीं, जीरन तालाब से आसपास के किसानों को सिंचाई और नगर को पेयजल मिलता है। कुकड़ेश्वर तालाब नगर की पेयजल व्यवस्था का प्रमुख आधार है। चंबलेश्वर और मोरवन बांध से सिंचाई के अलावा कई नगर परिषदों और तीन दर्जन से अधिक गांवों को पेयजल उपलब्ध कराया जाता है।

कृषि वैज्ञानिक डॉ सीपी पचौरी के अनुसार अभी तक हुई बारिश वर्तमान खरीफ फसल के लिए काफी हद तक उपयोगी है। आने वाले दिनों में एक-दो अच्छी बारिश हो जाती है तो फसलों को ग्रोथ मिल सकती है और उत्पादन भी बेहतर रहने की उम्मीद है। हालांकि जलस्त्रोतों में पर्याप्त पानी नहीं आने के कारण चिंता बनी हुई है। यदि बारिश की कमी आगे भी जारी रही तो रबी सीजन की फसलों पर इसका बुरा असर पड़ सकता है। सिंचाई के बांध खाली रहने से किसानों को पर्याप्त पानी मिलना मुश्किल होगा।

मौसम विभाग के अनुसार नीमच में 4 सितंबर से अगले तीन-चार दिनों तक बारिश की संभावना है। ऐसे में किसानों और आमजन को राहत की उम्मीद है लेकिन अब तक बारिश में हुई कमी को देखते हुए जिले का औसत बारिश के आंकड़े तक पहुंचना फिलहाल मुश्किल नजर आ रहा है। आगामी कुछ दिनों में होने वाली बारिश जिले के जलस्त्रोतों और रबी सीजन के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मध्य प्रदेश के करीबन एक दर्जन जिलों में अभी भी जोरदार बारिश का इंतजार हो रहा है। सबसे ज्यादा इंतजार अलीराजपुर जिले में ही है। यहां औसत बारिश का आधा कोटा भी पूरा नहीं हुआ है। अलीराजपुर में सिर्फ 345 मिलीमीटर बारिश ही हुई है यानी औसत से 54 फीसदी कम। धार जिले में औसत से 41 फीसदी कम बारिश हुई है। धार में औसतन 695 मिलीमीटर बारिश होती है, लेकिन अभी तक सिर्फ 412 मिलीमीटर बारिश ही हुई है।

मध्य प्रदेश में लगातार हो रही लगातार बारिश के चलते प्रदेश के बांधों में पानी की भरपूर आमद है। प्रदेश के अधिकांश बड़े बांधों में पानी 70 फीसदी और उससे ज्यादा भर चुका है। उधर बरगी, राजघाट, कुंडलिया, मडीखेड़ा सहित कई बांधों से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। बरगी के 13 गेट खुले हैं, इससे 3802 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है। इसका पानी तवा और इंदिरा सागर बांध में पहुंच रहा है। बड़े बांधों के लबालब होने से आने वाले समय में पानी की चिंता भी दूर हो गई है।

सीएम तीर्थ दर्शन योजना में फर्जीवाड़ा, वृंदावन यात्रा की लिस्ट देखी तो चौंके कलेक्टर

सच संवाददाता ॥ छिन्दवाड़ा

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में अब तीर्थ दर्शन योजना में फर्जीवाड़ा सामने आया है। यहां हितग्राहियों के नाम देखने के बाद कलेक्टर का ऐसा माथा ठनका कि उन्होंने जांच के आदेश दे दिए, जिसके बाद मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में फर्जीवाड़े की कहानी निकलकर सामने आई। कलेक्टर ने वृंदावन धाम यात्रा में जा रहे मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के हितग्राहियों की लिस्ट में पाया था कि कई अपात्र और पहले भी योजना का लाभ ले चुके लोगों के नाम शामिल हैं। जब मामले की जांच कराई तो बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है।

मध्यप्रदेश तीर्थ दर्शन योजना में जारी शिकवा-शिकायतों के बीच अधिकारियों ने पांच नाम ऐसे पकड़े हैं, जो नियमानुसार अपात्र थे, लेकिन न केवल नगर निगम बल्कि जनपद पंचायत के अधिकारियों ने भी इन्हें पात्रता सूची में डालते हुए वृंदावान धाम जाने की अनुमति जारी कर दी। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जांच के बाद पकड़ाए इन हितग्राहियों के बाद कलेक्टर हरेंद्र नारायन द्वारा कमिश्नर नगर निगम चंद्रप्रकाश राय और जनपद पंचायत सीईओ स्वाति सिंह को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में 30 अगस्त को छिंदवाड़ा से स्पेशल ट्रेन मथुरा-वृंदावन के लिए रवाना हुई थी। इसके पहले जनपद और नगरीय निकाय स्तर पर अधिकारियों से पात्र हितग्राहियों की सूची मांगी गई थी। बिना जांच के अधिकारियों ने नाम कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचा दिए। कलेक्ट्रेट में जब अधिकारियों ने रेंडम जांच में पात्र हितग्राहियों की सूची देखी तो पाया कि छिंदवाड़ा नगर निगम के चार और छिंदवाड़ा जनपद के एक हितग्राही का नाम रिपीट था। ये हितग्राही पहले भी तीर्थ दर्शन योजना का लाभ ले चुके थे।बिना जांच के अपात्रों का नाम चयन सूची में दर्ज किए जाने के बाद कलेक्टर ने निगम कमिश्नर और जनपद सीईओ से जवाब मांगा है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रियों को छिंदवाड़ा रेलवे स्टेशन पहुंचकर सांसद बंटी विवेक साहू अधिकारियों सहित जनप्रतिनिधियों ने फूल मालाओं से स्वागत कर यात्रा ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी।

मामला सामने आने के बाद निगम कमिश्नर सीपी राय ने भी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए नोटिस जारी किया है। नगर निगम में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का काम देख रहे राजेश यादव और ऑपरेटर संजू विश्वकर्मा से जवाब-तलब किया गया है। इनके द्वारा ही सूची तैयार करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचाई गई थी। लापरवाही ये थी कि पुरानी सूची का मिलान किए बगैर इन कर्मचारियों ने अपात्रों का चयन पात्रता सूची में कर दिया था। जबकि सभी आवेदनों की जांच करते हुए सूची तैयार करनी थी।

कलेक्ट्रेट कार्यालय द्वारा की गई जांच में हितग्राही यशवंत राव बिसेन, प्रेमसागर विश्वकर्मा, नामदेव काटोलकर और परसराम साहू का नाम पहले की पात्रता सूची में पाया गया था। छिंदवाड़ा जनपद पंचायत द्वारा भेजी गई सूची में कुसुम नाम की महिला का नाम रिपीट था। इतना ही नहीं जनपद द्वारा पहुंचाई गई सूची में अधिकतर हितग्राहियों के सरनेम नहीं लिखे गए थे बल्कि सिर्फ नाम लिखे गए हैं जिससे लोगों को यह समझ ना आए की यात्रा करने वाला हितग्राही कौन है।

मध्य प्रदेश सरकार वरिष्ठ नागरिकों को देश के धार्मिक स्थलों की यात्रा ट्रेन के जरिए फ्री में कराती है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के नियमों के तहत एक बार योजना का फायदा लेने के बाद हितग्राही पांच साल बाद ही इस योजना का दोबारा लाभ ले सकते हैं, लेकिन इन पांच हितग्राहियों ने हाल ही में योजना के तहत गई कामाख्या, द्वारका सोमनाथ, वाराणसी अयोध्या तक की यात्रा की थी, लेकिन मथुरा-वृंदावन के लिए चयनित सूची में इनका नाम फिर से पात्रता सूची में जोड़ दिया गया था।

छिंदवाड़ा जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की जिम्मेदारी संभाल रहे डिप्टी कलेक्टर राहुल पटेल ने बताया, नगर निगम और जनपद पंचायत स्तर से आई सूची में पांच नाम अपात्र पाए गए थे, जिसके बाद कमिश्नर नगर निगम चंद्र प्रकाश राय और छिंदवाड़ा जनपद पंचायत की सीईओ स्वाति सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।%% वहीं, इस मामले पर नगर निगम के कमिश्नर चंद्र प्रकाश राय ने कहा, जिन कर्मचारियों ने सूची तैयार की थी उन कर्मचारियों को नोटिस जारी किया गया है। इन कर्मचारियों का जवाब आने के बाद कलेक्टर द्वारा दिए गए नोटिस का जवाब देंगे।

हाईकोर्ट ने ईओडब्ल्यू के डीजी को किया तलब

रायसेन साइकिल घोटाले में पांच साल बाद भी चार्जशीट प्रस्तुत नहीं की

सच संवाददाता ॥ जबलपुर

हाईकोर्ट ने रायसेन के चर्चित साइकिल घोटाले में ईओडब्ल्यू के डीजी को तलब किया है। अभियोजन की स्वीकृति मिलने के पांच साल बाद भी चार्जशीट प्रस्तुत नहीं किए जाने को हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया है। हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अवनीन्द्र कुमार सिंह की युगलपीठ ने दायर अपील की सुनवाई करते हुए ईओडब्ल्यू के डायरेक्टर जनरल उपेन्द्र जैन को व्यक्तिगत रूप से तलब किया है।

ईओडब्ल्यू द्वारा दर्ज की गई एफआईआर को निरस्त किए जाने की मांग करते हुए रायसेन जिले के बरेली तहसील में पदस्थ सहायक शिक्षक सीमा धाकड़ और उमराव धाकड़ ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि वर्ष 2013 में छात्रों को साइकिल वितरण के लिए उनके खातों में राशि आई थी। संबंधित प्राचार्य ने उनके खाते से राशि निकालकर लाभार्थियों को साइकिल खरीदने के लिए नकद प्रदान कर दी थी। ईओडब्ल्यू ने प्रकरण की जांच करने के बाद उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया

मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से तर्क दिया गया कि प्रकरण में अन्य सह-आरोपियों का विचारण आठ

अगस्त 2023 को समाप्त हो चुका है। याचिकाकर्ताओं के खिलाफ 2 दिसम्बर 2021 को अभियोजन की अनुमति प्रदान कर दी गई थी। ईओडब्ल्यू ने अभी तक प्रकरण में आरोप पत्र तक दाखिल नहीं किया है। ऐसे में याचिका में राहत चाही गई थी कि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को निरस्त किया जाए।

वहीं, इस मामल की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अवनीन्द्र कुमार सिंह की युगलपीठ ने अभियोजन स्वीकृति के पांच साल बाद भी आरोप पत्र दाखिल नहीं किए जाने को गंभीरता से लिया है। युगलपीठ ने कहा कि इतनी लंबी देरी प्रथम दृष्टया जांच अधिकारी और संबंधित अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठा रही है। ऐसे में भ्रष्टाचार की आशंका भी पैदा होती है। युगलपीठ ने ईओडब्ल्यू की कार्यशैली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जांच एजेंसी के डीजी को व्यक्तिगत हलफनामे में जवाब पेश करने के निर्देश दिए थे। हाईकोर्ट ने डीजी द्वारा पेश हलफनामे पर असंतोष जताते हुए सवाल किया कि वर्ष 2021 में अभियोजन स्वीकृति मिलने के बावजूद चार्जशीट दाखिल करने में वर्षों की देरी क्यों हुई? बेंच ने तल्ख टिप्पणी करते हुए पूछा, 2021 से 2025 तक जांच अधिकारी क्यों सोते रहे? कोर्ट ने यह भी जानना चाहा कि जांच अधिकारी प्रभावी कार्रवाई करने के बजाय केवल पत्राचार क्यों करते रहे? कवरिंग लेटर और सेंक्शन लेटर की तारीखों में अंतर को लेकर चार्जशीट दाखिल नहीं करने के कानूनी आधार पर भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। इसके बाद ईओडब्ल्यू के डीजी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए तलब किया गया है।

मुंबई के डिजास्टर मैनेजमेंट के सिलेबस में भोपाल गैस त्रासदी का पूरा चैप्टर

सच संवाददाता ॥ भोपाल/मुंबई

साल 1984 में भोपाल में हुई भीषण औद्योगिक यूनियन कार्बाइड गैस त्रासदी मुंबई में बीएमसी के डिजास्टर मैनेजमेंट कोर्स का हिस्सा है। वहां इस त्रासदी को एक सबक की तरह पढ़ाया जाता है कि ऐसे त्रासदियों से क्या सबक लेना चाहिए। चूक कहां हुई थी, संभाला कैसे जा सकता था। मुंबई के अंधेरी ईस्ट जोगेश्वर घाटकोपर और मुलुंड समेत ऐसे कई इलाके हैं जहां केमिकल फैक्ट्रियां हैं। यहां से कई जगह लगी हुई रिहायशी बस्तियां भी हैं। वृहन्नमुंबई महानगरपालिका अब तक दो लाख लोगों को क्राउड मैनेजमेंट से लेकर आपात स्थिति से निपटने की ट्रेनिग दे चुका है। खास बात ये है कि भोपाल का गैस हादसा इस ट्रेनिंग के सिलेबस का खास चैप्टर है।

वृहनमुंबई महानगर पालिका का डिजास्टर मैनेजमेंट सेंटर नागरिकों को किसी भी मुश्किल से निपटने बाकायदा ट्रेनिंग देता है। इसमें भीड़ पर नियंत्रण कैसे किया जाए, फायर सेफ्टी मेजर्स क्या होते हैं, कोई मेडिकल इमरजेंसी

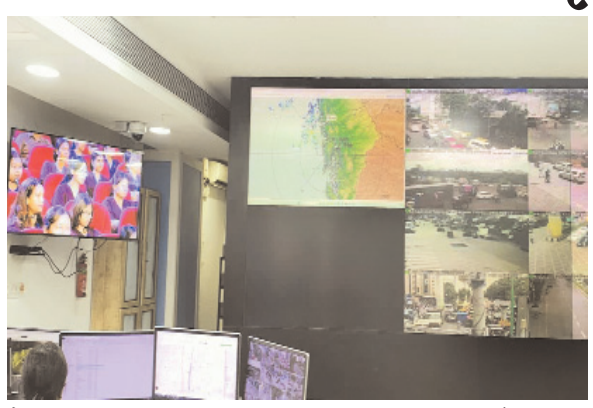

के साथ अगर कहीं किसी केमिकल फैक्ट्री या उसके टैंकर के साथ कोई दुर्घटना या लीकेज हुआ है तो इसे कैसे संभालना है, ये ट्रेनिंग दी जाती है।मुंबई महानगरपालिका में डिजास्टर मैनेजमेंट टीम की फाउंडर मेंबर और चीफ आफिसर रश्मि लोखंडे ने ईटीवी भारत को बताया मुंबई के कई इलाकों में केमिकल फैक्ट्रियां हैं। कई जगह नजदीक ही रिहायशी बस्तियां भी हैं। लिहाजा इन इलाकों में सुरक्षा और सतर्कता की खास जरूरत होती है।

रश्मि लोखंडे बताती हैं हम जो डिजास्टर मैनेजमेंट की ट्रेनिंग नागरिकों को देते हैं, उसमें हम भोपाल की 1984 में गैस त्रासदी के बारे में खासतौर पर पढाते हैं। कैसे वह त्रासदी हुई, उस समय क्या-क्या संसाधन उपलब्ध नहीं थे। कहां गलतियां हुईं। हमारे यहां भी कई केमिकल फैक्ट्रियां हैं और आसपास बस्तियां हैं। इसलिए क्या केमिकल कितना नुकसान कर सकता है, इसका अंदाजा हम ट्रेनिंग में भोपाल गैस त्रासदी के उदाहरण के तौर पर बताते हैं।

वृहन्नमुंबई महानगरपालिका की ओर से आम लोगों को किसी भी आपदा से निपटने की जो ट्रेनिंग दी जाती है, उसमें प्राथमिक उपचार से लेकर सीपीआर देने तक और आगजनी की घटना में कैसे सेफ्टी करनी है, अग्निशमन यंत्र का इस्तेमाल कैसे करना है, अगर भीड़ या भगदड़ की स्थिति बने तो उसे कैसे संभालना है, ये सारी ट्रेनिंग दी जाती है। बीएमसी का डिजास्टर मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के साथ ही एनडीआरएफ, मुंबई पुलिस, फायर ब्रिग्रेड मिलकर ये ट्रेनिंग नागरिकों को देते हैं। गणेशोत्सव में जुटने वाली भीड़ से लेकर बारिश में ट्रैफिक जाम, जलभराव जैसी आपदाओं से लोग प्रशासन के मैदान में आने से पहले भी कुछ संभाल सकते हैं।

हाल ही में मुंबई चैम्बूर की मैसूर कॉलोनी में एक टैंकर से रासायनिक गैस बैंजीन का लीकेज शुरू हो गया था। 6 दिन पुरानी उस घटना में मुंबई के डिजास्टर मैनेजमेंट टीम ने तत्परता दिखाई और फायर ब्रिगेड और पुलिस की मुस्तैदी से 500 मीटर के दायरे को पहले सील किया गया। बहुत ही एहतियात से टैंकर के केमिकल को दूसरे टैंकर में ट्रांसफर किया गया और बड़ा हादसा होने से टल गया। इसके लिए ट्रैफिक भी डायवर्ट किया गया। लेकिन कोई जनहानि नहीं हुई और आपदा भी टल गई।

ढाबे पर एथनॉल से बन रही थी पेट्रोल और शराब एक्साइज डिपार्टमेंट ने छापा मार कर पकड़ी फैक्ट्री

सच संवाददाता ॥ ग्वालियर

ग्वालियर में आबकारी और पुलिस विभाग ने संयुक्त कारवाई में एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जो ना सिर्फ़ नक़ली शराब बना रहा था बल्कि एक ढाबे में हज़ारों लीटर पेट्रोल भी बनाई जा रही थी। करवाई करने की गई टीम ने यहां से 32 लाख रुपये का माल बरामद किया है, आबकारी विभाग के अनुसार अगर यह नकली शराब आम लोगों तक पहुंच जाती तो इससे सागर जैसा ही बड़ा घटनाक्रम हो सकता था।

ग्वालियर आबकारी विभाग ने यह कार्रवाई जिले के मोहना क्षेत्र में हाईवे पर संचालित महाकाल ढाबा पर रविवार देर रात की। ग्वालियर के सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजेश तिवारी के मुताबिक़, मुखबिर से सूचना मिली थी कि मोहन क्षेत्र के पास आगरा मुंबई नेशनल हाईवे पर चेराई रेंहट में महाकाल ढाबे पर अवैध शराब (एथनॉल) मंगाई जा रही है और उससे मिलावटी पेट्रोल बनाया जा रहा है। साथ ही शराब बेची जा रही है। इस सूचना की पुष्टि होने के बाद वरिष्ठ

अधिकारियों के निर्देश पर आबकारी विभाग की टीम गठित की गई जिसने महाकाल ढाबे पर दबिश दी।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजेश तिवारी ने बताया जब टीम मौके पर पहुंची तो ढाबा संचालक मौजूद थे, ऐसे में कुछ गवाहों को बुलाकर जब ढाबे की तलाशी ली गई तो वहां रखी करीब 61 लीटर देसी और विदेशी शराब मिली। इनके साथ ही भारी मात्रा में बियर की बोतल और कैन भी वहां से जब्त कर लिया गया। लेकिन जब ढाबे से लगे पीछे की और बने दो कमरों की तलाशी ली गई तो एक कमरे से आबकारी टीम को 200-200 लीटर के 13 ड्रम मिले जिनमें ईएनए अल्कोहल यानी एथनॉल भरा हुआ था। जिसकी जाँच और पुष्टि के बाद उसे जब्त किया गया। टीम ने मौके से 2300 लीटर एथनॉल बरामद किया है। इसके सैंपल लिए गए जिन्हें जाँच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा जाएगा। इसके अलावा जब दूसरे कमरे की तलाशी ली गई तो वहाँ टीम को 18 ड्रमों में भरा हुआ थिनर भी मिला। इसके अलावा 20 ड्रम एथनॉल से तैयार किया गया पेट्रोल भी टीम ने ढाबे से बरामद किया, जिसे कार्रवाई के लिए पुलिस को सुपुर्द किया गया है। अधिकारी राजेश तिवारी का कहना है कि, ढाबा पर मिली 2300 लीटर ईएनए अल्कोहल (एथनॉल) को जब्त कर लिया गया है। इससे लगभग 8 हज़ार लीटर शराब बनाई जा सकती है। इसकी वर्तमान बाजार कीमत 32 लाख रुपये है। आबकारी विभाग ने मामले में ढाबा संचालक अनिल शर्मा सहित सौरभ गुर्जर और अतीक ख़ान कुल तीन लोगों के ख़िलाफ़ मामला दर्ज कर गिरफ़्तार कर लिया है।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजेश तिवारी की माने तो इस एथनॉल की 175 डिग्री ओपी है, जिससे पेट्रोल तैयार किया जा रहा था। इसमें पानी नहीं होता, और ये इतना खतरनाक है कि अगर कोई ये शराब पी जाए तो वह अंधा हो सकता है, तबीयत बिगड़ सकती है, और समय पर इलाज ना मिले तो जान भी जा सकती है। इस स्थिति में यह बहुत खतरानाक होती है, इसलिए प्रोफेशनल एक्सपर्ट्स द्वारा डिस्टिलरीज में इसको बहुत ज़्यादा डायल्यूट किया जाता है तब उससे शराब तैयार होती है। लेकिन किसी अप्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा इससे शराब अमानक बनेगी और लोगों के लिए हानिकारक होगी। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि यदि ये शराब सर्कुलेट हो जाती तो सागर जैसा बड़ा घटनाक्रम ग्वालियर में भी हो सकता था।

सांस्कृतिक आयोजनों से युवा पीढ़ी को जोड़ने का किया प्रयास

गणेश उत्सव की तैयारियां शुरू, प्रतिमाओं को अंतिम रुप दे रहे कलाकार

भोपाल । श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर करोंद स्थित भगत सिंह चौराहे पर बीते दिन मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी एवं लोकप्रिय मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। पिछले करीब दो दशकों से आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे गोविंदा दलों ने उत्साह, साहस और टीम भावना का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की विजेता टीम को एक लाख रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी और लघु उद्योग निगम के प्रदेश अध्यक्ष सत्येन्द्र भूषण सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर गोविंदा टीमों का उत्साहवर्धन किया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि भोपाल की सड़कों पर दिखाई दे रहा उत्साह भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं की स्मृति को जीवंत कर रहा है। उन्होंने कहा कि समय बदलता रहा, लेकिन तब भी मेरे कान्हा थे, आज भी मेरे कान्हा हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने श्रीकृष्ण को सृष्टि का रचयिता और जगत का पालक बताते हुए भोपालवासियों की श्रद्धा और उत्साह की सराहना की। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि मटकी फोड़ महोत्सव में हर वर्ष जनता का उत्साह और स्नेह देखने को मिलता है। ऐसे आयोजन धर्म और संस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर होते रहने चाहिए। उन्होंने आयोजन में शामिल सभी लोगों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने मटकी फोड़ महोत्सव को प्रदेश की सांस्कृतिक चेतना और धार्मिक आस्था का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी हमारी परंपरा, भक्ति और सामाजिक एकता का पर्व है। उन्होंने आयोजन की 20 वर्षों की निरंतरता की सराहना करते हुए इसे मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने वाला आयोजन बताया।पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन धर्म, सत्य, कर्तव्य और समाज के प्रति समर्पण का संदेश देता है। मटकी फोड़ जैसे पारंपरिक आयोजन युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ समाज में भाईचारे की भावना मजबूत करते हैं।

आयोजन समिति के अध्यक्ष, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी ने बताया कि करोंद में पिछले 20 वर्षों से आयोजित हो रहा यह कार्यक्रम अब मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी जन्माष्टमी मटकी फोड़ प्रतियोगिताओं में पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि आयोजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी को धर्म एवं संस्कृति से जोड़ना, महिला सशक्तिकरण का संदेश देना और युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना भी है।प्रतियोगिता में बैतूल, छिंदवाड़ा, सीहोर, जबलपुर, देवास और आष्टा सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों से गोविंदा दल पहुंचे। टीमों ने मटकी फोड़ने के लिए अपने कौशल, साहस और सामूहिक प्रयास का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा, अभिनेता चंकी पांडे और अभिनेता राजपाल यादव की विशेष मौजूदगी ने आयोजन की भव्यता बढ़ाई। सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रमोद त्रिपाठी की भजन प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। कलाकारों की प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मटकी फोड़ प्रतियोगिता देखने के लिए भोपाल सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु और दर्शक करोंद पहुंचे। पूरे आयोजन के दौरान 'जय श्रीकृष्ण' और 'राधे-राधे' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

शिक्षक संघ ने उठाई प्रस्तावित टीईटी में बदलाव की मांग

भोपाल । मध्यप्रदेश शिक्षक संघ ने सेवारत शिक्षकों के लिए प्रस्तावित शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी के नियमों में बड़े बदलावों की मांग उठाई है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर, प्रदेश महामंत्री राकेश गुप्ता एवं प्रांतीय कोषाध्यक्ष विनोद कुमार पूनी ने इस संबंध में मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव और आयुक्त को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्षों से सेवाएं दे रहे शिक्षकों को नए अभ्यर्थियों के मापदंडों पर परखना न्यायसंगत नहीं है। ज्ञापन में शिक्षकों की व्यावहारिक, आर्थिक और प्रशासनिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए प्रक्रिया को सरल और शिक्षक-हितैषी बनाने की मांग की गई है।

संगठन ने दूरस्थ क्षेत्रों के शिक्षकों की सुविधा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 तय करने और प्रथम चरण की परीक्षा नवंबर माह में आयोजित कराने का आग्रह किया गया है। शिक्षकों को गैर-जरूरी यात्रा और आर्थिक बोझ से बचाने के लिए विकेंद्रीकरण करते हुए हर जिले में आवश्यकतानुसार परीक्षा केंद्र बनाने की मांग की गई है साथ ही पूर्व से सेवा दे रहे शिक्षकों से पुनः परीक्षा न लेने की बात भी कही गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि न्यूनतम उत्तीर्णांक को व्यावहारिक बनाते हुए न्यूनतम पासिंग मार्क्स 50 अंक या 33 प्रतिशत निर्धारित करने का सुझाव दिया गया है। इसी प्रकार वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के हितों की रक्षा की जावे। तत्कालीन नियमों के अंतर्गत नियुक्त शिक्षकों के पूर्व अर्जित अधिकारों पर नए प्रावधानों का प्रतिकूल असर न पड़े, इसकी गारंटी मांगी गई है। संगठन ने ज्ञापन में मांग की है कि यदि कक्षा 1 से 8 तक के शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य होती है, तो जिलावार शिक्षकों की सूची तत्काल पोर्टल पर जारी की जाए और उन्हें तैयारी के लिए पर्याप्त समय दिया जाए साथ ही पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं व्यावहारिक रूप दिया जाए।

जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने के लिए विधायक सबनानी ने जताया आभार

सच संवाददाता ।। भोपाल

दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता भगवानदास सबनानी का जन्मदिन रविवार को मानस भवन में भव्य समारोह के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और शहरवासियों ने पहुंचकर विधायक सबनानी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला और कई लोगों ने फूलों से स्वागत कर अपनी आत्मीयता व्यक्त की। जन्मदिन के अवसर पर विधायक सबनानी ने सुबह शहर के प्राचीन नेवरी मंदिर में सपरिवार पूजा-अर्चना की। इसके बाद संत हिरदाराम नगर स्थित संत जी की कुटिया पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने क्षेत्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर सेवा कार्य किए तथा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत नमो वन में पौधारोपण भी किया। मानस भवन में आयोजित समारोह में भगवानदास सबनानी ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों का स्नेह, प्यार और विश्वास देखकर वे अभिभूत हैं। उन्होंने जन्मदिन को उत्सव की तरह मनाने और शुभकामनाएं देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का स्नेह और विश्वास उन्हें निरंतर ऊर्जा प्रदान करता है।उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास ही उनका एकमात्र लक्ष्य है और जनता के विश्वास के अनुरूप क्षेत्र के विकास एवं जनसेवा के लिए लगातार कार्य करते रहेंगे। जन्मदिन समारोह में शहर की अनेक गणमान्य हस्तियां भगवानदास सबनानी को शुभकामनाएं देने पहुंचीं। मंत्री कृष्णा गौर, सांसद आलोक शर्मा, सांसद रजनीश अग्रवाल, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर मालती राय, शैलेंद्र शर्मा, सत्येंद्र भूषण सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, कैलाश मिश्रा, गोविंद गोयल और जिला बार अध्यक्ष देवेंद्र रावत सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई दी। इसके अलावा महापौर परिषद के सदस्य, पार्षद एवं एल्डरमैन, कर्मचारी संगठनों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों तथा रहवासी समितियों के प्रतिनिधियों ने भी समारोह में पहुंचकर विधायक सबनानी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। समारोह में बड़ी संख्या में शहरवासियों की मौजूदगी रही।

शिवसेना में नई नियुक्तियों की कवायद

भोपाल। शिवसेना के देशभर के राज्य प्रमुखों एवं राज्य प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक नई दिल्ली में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथजी शिंदे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न राज्यों में संगठन को मजबूत करने, युवाओं को संगठन से जोड़ने तथा आगामी संगठनात्मक नियुक्तियों को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में वर्तमान में कार्यरत युवासेना की मौजूदा कार्यकारिणी को निष्क्रिय करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को नए सिरे से संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्रीय नेतृत्व की ओर से कार्यकर्ताओं से अपेक्षा व्यक्त की गई है कि वे शिवसेना प्रमुख वंदनीय हिंदूहृदयसम्राट श्री बालासाहेब ठाकरे की हिंदुत्व विचारधारा तथा धर्मवीर श्री आनंद दिघे के आदर्शों और शिक्षाओं को आगे बढ़ाते हुए संगठन को जन-जन तक मजबूत करने का कार्य करें। बैठक में मध्यप्रदेश संगठन को लेकर यह भी निर्देश दिया गया कि युवासेना राज्यप्रमुख सहित महिला आघाड़ी, कामगार सेना एवं अन्य संगठनात्मक दायित्वों के लिए योग्य, सक्षम और संगठन के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं के नाम केंद्रीय नेतृत्व को शीघ्र प्रेषित किए जाएं।शिवसेना नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी की विचारधारा एवं संगठनात्मक गतिविधियों को प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचाने का आह्वान किया है।

मेधावी बच्चों को बांटे प्रमाण पत्र

सच संवाददाता ।। भोपाल

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने आज भगवान परशुराम भवन तुलसी नगर भोपाल में प्रतिभावान बच्चों को प्रमाण पत्र एव सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया कार्यक्रम का आयोजन डॉ अनिल भार्गव प्रदेश प्रवक्ता मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ भार्गव ब्राह्मण समाज एवं मध्य प्रदेश परशुराम कल्याण बोर्ड द्वारा किया था कार्यक्रम में विशेष रूप से पंडित विष्णु राजोरिया अध्यक्ष मध्य प्रदेश परशुराम कल्याण बोर्ड मध्य प्रदेश शासन ज्योतिषाचार्य विनोद गौतम अधिवक्ता बच्चन आचार्य ब्राह्मण समाज की महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष संजना रिछारिया ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष दिनेश तिवारी पार्षद देवेंद्र भार्गव आदि उपस्थित थे। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के अध्यक्ष प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि ब्राह्मण समाज के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित करना समाज के लिए गौरव की बात है प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित करके उन्हें आगे बढ़ाने में जो भूमिका समाज निभा रहा है उस पर हमें एव समाज को गर्व है आज प्रतिभावान सैकड़ो बच्चों का सम्मान करके उन्हें समाज के लिए संकल्पित रहने का संकल्प दिलाया गया है कार्यक्रम में सैकड़ो ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ जन उपस्थित थे।

भोजपुरी समाज की कार्यकारिणी गठित

सच संवाददाता ।। भोपाल

महानगर भोजपुरी समाज ने भोपाल की सभी विधानसभा क्षेत्रों में अपनी कार्यकारिणी का गठन किया है। समाज की ओर से आयोजित प्रेसवार्ता में पदाधिकारियों ने कहा कि आने वाले समय में समाज सभी राजनीतिक दलों से विधानसभा चुनाव में टिकट की मांग करेगा। समाज के अध्यक्ष दद्दन सिंह यादव, प्रमोद ठाकुर, रिंकू ओझा, मीरा सिंह एवं महासचिव राजेश सिंह आशुतोष तिवारी ने बताया कि भोपाल में भोजपुरी समाज के 5 लाख से अधिक लोग निवास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनसंख्या के आधार पर समाज को राजनीतिक और संगठनात्मक स्तर पर उचित प्रतिनिधित्व एवं दायित्व मिलना चाहिए। पदाधिकारियों ने कहा कि समाज की एकजुटता को मजबूत करते हुए आगामी समय में राजनीतिक दलों के समक्ष अपनी मांग प्रमुखता से रखी जाएगी।

दिबांग परियोजना के लिए बीएचईएल भोपाल ने तैयार किए अत्याधुनिक वीपीआई फिक्स्चर

हाइड्रो-जनरेटर के स्टेटर बार की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी

सच संवाददाता ।। भोपाल

बीएचईएल, भोपाल के टीजीएम विभाग में सादे किंतु गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीएचईएल भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय की उपस्थिति में मेसर्स एनएचपीसी लिमिटेड की दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना में स्थापित किए जाने वाले हाइड्रो-जनरेटर के टॉप एवं बॉटम स्टेटर बार के वैक्यूम प्रेशर इम्प्रैग्नेशन (वीपीआई) के लिए आवश्यक फिक्स्चर का विनिर्माण कर उसे सीआईएम विभाग को सुपुर्द किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (फीडर्स एवं ट्रांसफॉर्मर-विनिर्माण, कमर्शियल एवं अनुरक्षण) रूपेश तैलंग तथा महाप्रबंधक (फीडर्स) संतोष डोंगरे विशेष रूप से उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि टीजीएम विभाग ने दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना के लिए अब तक के सबसे लंबे टॉप एवं बॉटम स्टेटर बार के स्टील फॉर्मर एवं वीपीआई फिक्स्चर का डिजाइन और आपूर्ति सफलतापूर्वक पूरी की है। विभाग ने इस कार्य में मटेरियल लागत में लगभग 10 प्रतिशत तथा विनिर्माण समय में 25 प्रतिशत की कमी हासिल की है। इन उपकरणों के उपयोग से स्टेटर बार की उत्पादकता में वृद्धि के साथ-साथ निर्धारित गुणवत्ता सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी। वीपीआई फिक्स्चर की प्रमुख विशेषता यह है कि यह स्टेटर बार को शून्य-रिक्तता , ठोस विद्युत इन्सुलेशन तथा उत्कृष्ट संरचनात्मक मजबूती प्रदान करने में सक्षम है। इससे हाइड्रो-जनरेटर के स्टेटर बार की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी।इस अवसर पर संबंधित विनिर्माण दस्तावेज भूषण लाल वर्मा, अपर महाप्रबंधक (टीजीएम एवं एफडीएक्स) द्वारा प्रीति गुप्ता, अपर महाप्रबंधक (सीआईएम) को सौंपे गए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय ने विभिन्न परियोजनाओं के लिए आवश्यक टूलिंग का तत्परता से डिजाइन एवं समय पर आपूर्ति करने के लिए टीजीएम विभाग की सराहना की। उन्होंने विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक (डब्ल्यूटीएम, जीजेबी एवं हाइड्रो- अनुरक्षण) मनोज नीलाम्वर, अपर महाप्रबंधक (आईएमएम एवं एलईएम) आनन्द कुमार गोस्वामी, अपर महाप्रबंधक (एचजीएम) विशाल शर्मा, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (टीजीएम) सानीलाल टोप्पो, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (आईएसई) विश्वनाथ उरॉव सहित टीजीएम विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सशस्त्र सेनाओं के 40 प्रतिभागियों ने किया बीएचईएल भोपाल का औद्योगिक दौरा

भोपाल। बीएचईएल, भोपाल में क्रिस्प (सीआरआईएसपी) द्वारा आयोजित 'इंडस्ट्रियल एक्सपोजर फॉर सीएनसी मशीन्स' प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सशस्त्र सेनाओं के 40 प्रतिभागियों ने बीएचईएल भोपाल कारखाने का औद्योगिक दौरा किया। इस दल में थल सेना, नौसेना एवं वायु सेना के वरिष्ठ जवान एवं अधिकारी शामिल थे। औद्योगिक भ्रमण के दौरान सभी प्रतिभागियों को एचआरडीसी-वर्कशॉप, हाइड्रो लैब, ट्रेक्शन ब्लॉक तथा गोल्डन जुबली ब्लॉक का भ्रमण कराया गया। इस दौरान आयोजित तकनीकी सत्र में प्रतिभागियों को बीएचईएल के विभिन्न उत्पादों, उत्पादन प्रक्रियाओं एवं कार्यशैली के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। दौरे के समापन अवसर पर हेमराम पटेल, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। अपने संबोधन में पटेल ने कहा कि यह भ्रमण सभी प्रतिभागियों के लिए सीखने का एक नया क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में भी वे भविष्य में देश के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि वे पहले से ही अच्छी तरह प्रशिक्षित एवं अनुशासित हैं और अपनी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हैं।

सेवानिवृत शिक्षकों और प्रतिभाओं का सम्मान

सच संवाददाता ।। भोपाल

ग्राम गूगलवाड़ा के सेवानिवृत्त शिक्षकों, शासकीय सेवा में नवचयनित अधिकारी के साथ ही मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह राजधानी में आयोजित किया गया। धरोहर वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र चौहान थे। समारोह को संबोधित करते हुए एडिशनल एसपी शैलेंद्र चौहान ने कहा कि वह भी ग्राम गूगलवाड़ा के ही छात्र है और हम सभी का दायित्व है की अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा, संबल और सहयोग के उत्साहवर्धन वातावरण बनाए ताकि निरंतर प्रतिभाओं को उदय हो। उन्होंने ये भी कहा है की ग्राम गूगलवाड़ा से लगातार नई नई प्रतिभाएँ प्रतिवर्ष चयनित हो रही है जिसको प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है । सिर्फ़ छात्रों को ही प्रोत्साहन नहीं देना है बल्कि शिक्षकों को भी सम्मान देने की आवश्यकता है । सम्मान देना सिर्फ़ कर्तव्य नहीं बल्कि एक ऋण है जिसका हर व्यक्ति को पूरा करना चाहिए। इस तरह के प्रयास निरंतर जारी रहना चाहिये ।

कार्यक्रम कार्यक्रम में ग्राम गूगलवाडा के 100 से अधिक छात्र छात्राएं और दो दर्जन के लगभग सेवानिवृत और वर्तमान शिक्षक शामिल हुए । वर्तमान में नव चयनित प्रशासनिक पुलिस और अन्य सेवा के अधिकारियों को भी सम्मान किया गया।

सेवानिवृत शिक्षकों में मणि शंकर व्यास, बी एल अहिरवार पन्नालाल उमरे मानसिंह चौहान, रुखम सिंह चौहान, विजय सिंह चौहान गूगलवाड़ा छत्रपाल सिंह चौहान, रूपसिंह चौहान का सामान रखकर उनके योगदान का इस स्मरण किया गया। श्री चौहान ने अपनी सफलता श्रेय इन्ही सेवानिवृत्त शिक्षकों को दिया। संबंध पकड़ कई सेवानिवृत शिक्षक अत्यंत भावुक हो गए और इस प्रयास की मुक्तकंठ से सराहना की। शासकीय सेवाओं में ग्राम गूगलवाड़ा से नव चयनित प्रतिभाओं में भुवनेश चौहान डिप्टी कलेक्टर, कुमारी स्वीटी चौहान नायब तहसीलदार , रश्मि चौहान, नगर नियोजन अधिकारी, स्वाति चौहान चाइल्ड प्रोटेक्शन ऑफिसर, राजकुमार चौहान, अरुण चौहान, रणजीत सिंह चौहान सहित अन्य प्रतिभाएं सम्मानित हुई प्रतिभाशाली छात्र छात्रों में प्रमुख रूप से विश्वास, प्रांजलि,आराध्य,लक्ष्य मानसी, सिमरन, उज्ज्वल शिवानी, दीपिका परव, विवेक, निशा, अश्मिता, खुशी, रमा, सुहानी, माहेश्वरी, वैष्णवी, मोहिनी, अथर्व, मनीष, निशा, कनक, आदि को पुरुष्कृत किया गया ।

फूलमाली समाज ने 453 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

सम्मान से प्रतिभाओं को मिलता है आगे बढ़ने का प्रोत्साहन

सच संवाददाता ।। भोपाल

फूलमाली समाज भोपाल क्षेत्र की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हिंदी भवन में किया गया। समारोह में समाज के 453 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई। इनमें कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं के विद्यार्थी शामिल रहे। कार्यक्रम में खिलचीपुर के छात्र अनुज बागवान को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अनुज ने कक्षा 10वीं में 99.2 प्रतिशत अंक हासिल कर पूरे मध्यप्रदेश में चौथी रैंक प्राप्त की है।

समारोह के संयोजक अजय राज माली और फूलमाली समाज के अध्यक्ष हरिनारायण माली ने बताया कि यह

प्रतिभा सम्मान समारोह लगातार 17वें वर्ष आयोजित किया जा रहा है। समाज की ओर से प्रत्येक वर्ष मेहनत और लगन से उत्कृष्ट अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उन्हें भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा अब तक सम्मानित किए गए विद्यार्थियों में से कई आज विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे पदों पर कार्य कर रहे हैं। प्रतिभाओं को सम्मानित करने का उद्देश्य उन्हें मंच उपलब्ध कराने के साथ-साथ अन्य विद्यार्थियों को भी शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में फूलमाली समाज मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं वार्ड-36 के पार्षद गीता प्रसाद माली, पूर्व अपर कलेक्टर जीपी माली, घनश्याम राहुल, राजेंद्र सैनी सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री विश्वास सारंग, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, महापौर मालती राय, पूर्व मंत्री एवं विधायक जयवर्धन सिंह, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और सांसद आलोक शर्मा सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संपादकीय

मौत की इमारतों की राजधानी

दिल्ली देश की राजधानी है अथवा मौत की इमारतों का महानगर है! यह इसलिए कहना पड़ रहा है, क्योंकि हाल ही में मालवीय नगर के एक 'अवैध', संकरे कथित होटल में अग्निकांड हुआ, जिसमें 22 जिंदगियां भस्म होकर राख बन गईं। कभी राजेन्द्र नगर में बारिश का पानी भर जाता है, उसमें करंट भी प्रवाहित होने लगता है, नतीजतन आधा दर्जन युवा छात्र अचानक लाश बन जाते हैं। वे आईएएस बनने का सपना लिए पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन मौत ने सब कुछ छीन लिया। कभी लक्ष्मीनगर में हादसा हुआ और फिर युवा जिंदगियों पर विराम लग गया। इसी जुलाई में ही रोहिणी में इमारत गिरी, साकेत और करोल बाग में हादसे हुए। मुस्तफाबाद में 11 मौतें इससे पहले हो चुकी थीं। ये हादसे, मौतें नहीं, बल्कि हत्याएं हैं, क्योंकि बचने के बंदोबस्त 'शून्य' थे। और अब संभ्रांत कॉलोनी मोतीबाग के पास सत्य निकेतन में भी एक 5-मंजिला इमारत जमींदोज हो गई। रविवार रात तक 5 मौतों की पुष्टि की जा चुकी थी। तीन छात्र अस्पताल में जिंदगी-मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मौतों की संख्या अधिक भी हो सकती है, क्योंकि 25-30 छात्रों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई गई है। इन तमाम इमारतों में एक तथ्य साझा है कि सभी 'अवैध' थीं। न अग्निशमन विभाग का एनओसी, न नगर निगम का एनओसी, स्वीकृत मंजिलों से अधिक मंजिलों का निर्माण और कई इमारतें तो सालों पुरानी थीं, जिनका रखरखाव भी नहीं किया गया था। सत्य निकेतन वाली इमारत भी 36 साल पुरानी बताई गई है। उस पर विभाग ने सील लगा दी थी, लेकिन फिर न जाने कैसे, वह सील भी खुल गई और यह हत्याकांड हो गया। इस इमारत की तीन मंजिलें 'अवैध' थीं, क्योंकि उसे भूतल और पहली मंजिल बनाने की ही अनुमति दी गई थी, लेकिन भूतल के ऊपर भी चार मंजिलों का निर्माण कर लिया गया। दिल्ली नगर निगम के एक पूर्व चेयरमैन और फायर ब्रिगेड के पूर्व निदेशक ने चौंका देने वाला खुलासा किया है कि दिल्ली में करीब 75 लाख इमारतें हैं। उनमें से करीब 1.75 लाख इमारतों के नक्शे पास हैं। शेष सभी इमारतें अवैध और अतिक्रमण की हैं।

देश की राजधानी में 1731 अनधिकृत कॉलोनियां हैं। उनमें से 1511 को अधिकृत, नियमित करने के मद्देनजर पीएम-उदय योजना के तहत रखा गया है। एक पुख्ता वोट बैंक की तैयारीज्लेकिन यह कितना भयावह यथार्थ है! यदि इन अवैध, अनधिकृत इलाकों में कोई इमारत भरभरा कर गिर पड़ती है, तो कल्पना कीजिए कि नुकसान कितना होगा? सरकार मुआवजा भी नहीं देगी। आखिर ये अनधिकृत कॉलोनियां कैसे उभर आईं? किसने इन्हें बनाया और सरकार में किन्होंने इनकी मदद की? ये इमारतें कांग्रेस, भाजपा और आम आदमी पार्टी की सरकारों के दौरान बनी होंगी, लिहाजा कोई एक चेहरा या पार्टी 'खलनायक' नहीं है। इस भ्रष्ट हम्माम में सभी नंगे हैं। बहरहाल दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अप्रैल, 2025 के बाद से 241.51 एकड़ जमीन पुन: वापस ली है या प्रक्रिया में है। इसके अलावा, 235 एकड़ से अधिक जमीन पर जो अतिक्रमण, अवैध कब्जे थे, उन्हें मुक्त कराने का अभियान भी तय किया गया है।

दबाव में एफएसएसएआई : जन स्वास्थ्य की जीत

एफएसएसएआई ने सितंबर 2021 में एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिसमें खास तौर पर 1.5 स्टार एचएसआर सिस्टम और इसके न्यूट्रिशनल एल्गोरिदम के बारे में बताया गया। एफएसएसएआई ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद के साथ एक एमएओयू पर हस्ताक्षर किए और 15 फरवरी 2022 को भारतीय आबादी के बीच पैक्ड फूड के लिए अलग-अलग फ्रंट ऑफ पैक लेबल के बारे में उपभोक्ताओं की सोच पर एक स्टडी शुरू करवाई। अब जब एफएसएसएआई ने जन दबाव में न्यायालय में चेतावनी संकेत लागू करने को अपना प्रस्ताव पेश कर दिया है, माना जा सकता है कि जन स्वास्थ्य पर सरकार जल्द ही सख्त रुख अपनाते हुए इसे जल्द लागू करेगी।

दो हफ्ते पहले भारत के सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई को हानिकारक पैक्ड फूड पर चेतावनी वाले लेबल लगाने में ढिलाई बरतने के लिए फटकार लगाई। यह फटकार '3 एस' और 'अवर हेल्थ सोसाइटी' द्वारा दायर एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान लगाई गई थी, जिसमें ज्यादा चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट वाले पैक्ड फूड पर पैकेट के सामने की तरफ (फ्रंट ऑफ पैक) चेतावनी वाले लेबल लगाना अनिवार्य करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि ज्यादा नमक, चीनी और सैचुरेटेड फैट (एचएसएसएफ) वाले पैक्ड फूड के लिए चेतावनी वाले लेबल अनिवार्य करने में एजेंसी की हिचकिचाहट से यह सवाल उठता है कि क्या वह कॉर्पोरेट घरानों के दबाव में काम कर रही है। कोर्ट ने केंद्र सरकार के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल को निर्देश दिया कि वे दो हफ्ते के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करें और चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं किया गया, तो कोर्ट को इस मामले में खास निर्देश जारी करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। कोर्ट ने नागरिकों, खासकर बढ़ते बच्चों की सेहत को लेकर चिंता जताई। कोर्ट ने केंद्र सरकार की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि सख्त चेतावनी वाले लेबल के कारण पारंपरिक भारतीय स्नैक्स (जैसे नमकीन) पर ज्यादा फैट या नमक की मात्रा की वजह से लाल चेतावनी का निशान लग सकता है। इस दलील को खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा कि ऐसी चिंताओं की वजह से सरकार को लोगों में इस बात के प्रति जागरूकता बढ़ाने से पीछे नहीं हटना चाहिए कि वे क्या खा-पी रहे हैं। मीडिया की कुछ रिपोर्टों के अनुसार 28 अगस्त 2026 को एफएसएसएआई ने पैक्ड फूड और ड्रिंक्स पर पैकेट के सामने की तरफ चेतावनी वाले लेबल लगाने का प्रस्ताव रख दिया है। ज्यादा चीनी, फैट या नमक वाले आइटम के बारे में सख्त लेबल न होने को लेकर बढ़ते जन आक्रोश के बाद उसने अपना रुख बदला है। एफएसएसएआई का कोर्ट में एफओपीएल (पैकेट के सामने चेतावनी लेबल) के हिस्से के तौर पर चेतावनी वाले संकेतों पर सहमत होना यह दिखाता है कि नियामक संस्था सुप्रीम कोर्ट, मीडिया और जागरूक नागरिकों के दबाव के आगे झुक गई है।

चेतावनी वाले संकेत क्यों हैं जरूरी : हमारे देश में सेहतमंद और पौष्टिक खाना बनाने और खाने की पुरानी परंपरा रही है। हमारी पारंपरिक खाने की थाली में आमतौर पर प्रोटीन, विटामिन, कार्बोहाइड्रेट और दूसरे जरूरी पोषक तत्वों का सही संतुलन होता है। इसलिए, हमारी डाइट हमेशा से संतुलित रही है। हालांकि, हाल के दिनों में प्रोसेस्ड फूड का सेवन तेजी से बढ़ा है और बाजार अब अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड से भरा पड़ा है। अहम बात यह है कि बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा बनाए गए इन अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड ने बाजार का एक बड़ा हिस्सा हथिया लिया है।

वैज्ञानिकों का साफ मानना है कि ये अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड कैंसर जैसी कई गैर-संचारी बीमारियों को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके अलावा, कंपनियां ग्राहकों को लुभाने और बच्चों को अपने उत्पादों का आदी बनाने के लिए अत्यधिक चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट का इस्तेमाल करती हैं। हमारे देश में डाइट में चीनी, सोडियम और सैचुरेटेड फैट की ज्यादा मात्रा के कारण कैंसर, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और किडनी व लिवर की बीमारियां तेजी से आम होती जा रही हैं। लोगों में पोषण के बारे में जानकारी की कमी और फूड पैकेजिंग पर चेतावनी वाले लेबल न होने के कारण, लोग अनजाने में इन हानिकारक चीजों का सेवन कर रहे हैं। इससे इन बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है, जिन्हें अक्सर लाइफ स्टाइल से जुड़ी बीमारियां कहा जाता है। अगर ऐसे हानिकारक फूड उत्पादों पर चेतावनी वाले लेबल लगे हों जो यह बताएं कि उनमें चीनी, नमक या सैचुरेटेड फैट की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है और वे सेहत के लिए हानिकारक हैं, तो ग्राहक संभावित दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक हो जाएंगे और खाना खरीदते समय सही फैसला ले पाएंगे। जहां इन उत्पादों को बनाने वाली कंपनियों की बिक्री कम हो सकती है, क्योंकि ग्राहक उनके अस्वास्थ्यकर उत्पादों को छोड़ देंगे, दूसरी ओर इसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार होगा।

इसलिए ग्राहकों को यह बताना बहुत जरूरी है कि वे जो पैक्ड फूड खा रहे हैं, वे उनकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। दूसरे देशों में, चाहे वहां चेतावनी वाले लेबल लगाना अनिवार्य हो या न हो, कंपनियों को ग्राहकों की जागरूकता और रेगुलेटरी संस्थाओं की सतर्कता और निष्पक्षता के कारण दबाव का सामना करना पड़ता है। जहां पहले एफएसएसएआई ने चेतावनी वाले लेबल लागू करने का विरोध किया, वहीं स्वतंत्र मीडिया की रिपोर्टों से पता चलता है कि यही कंपनियां दूसरे देशों में अपने उत्पादों के कम हानिकारक प्रकार बेचती हैं। उदाहरण के लिए, समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, भारत में बिकने वाली फैंटा (एक सॉफ्ट ड्रिंक) में दूसरी जगहों पर बिकने वाले उसी उत्पाद की तुलना में तीन गुना ज्यादा चीनी होती है। हाल ही में यह भी पता चला है कि इंग्लैंड में ज्यादा नमक होने के कारण नेस्ले की मैगी को रेड सिग्नल के साथ बेचा जाता है, जबकि वही उत्पाद भारत में बिना किसी ऐसी चेतावनी के बेचा जा रहा है। यह साफ है कि जानकारी की कमी के कारण भारत में बच्चे ऐसे ड्रिंक्स पीकर और ऐसे अन्य उत्पादों का सेवन कर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है और एफएसएसएआई को फटकार लगाई है। कोर्ट ने सवाल किया है कि वह नागरिकों और खासकर बच्चों की सेहत को लेकर इतना लापरवाह कैसे हो सकता है। स्वतंत्र विशेषज्ञों की रिसर्च से साफ पता चलता है कि देश और दुनिया भर में नुकसानदायक पैक्ड फूड के बढ़ते सेवन और गैर-संचारी रोगों के बढने के बीच सीधा संबंध है। गैर-संचारी रोग, जिनमें कैंसर, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और किडनी व दिल की बीमारियां शामिल हैं, पूरी दुनिया में महामारी की तरह फैल रहे हैं। आज भारत में हर चार में से एक व्यक्ति डायबिटीज से पीड़ित है और कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इन बीमारियों से बचने का एकमात्र तरीका नमक, चीनी और सैचुरेटेड फैट का बहुत ज्यादा सेवन न करना है। हालांकि, जब बड़ी और जानी-मानी कंपनियों के उत्पादों में ये नुकसानदायक चीजें ज्यादा मात्रा में होने के बावजूद बिना किसी चेतावनी के बेचे जाते हैं, तो इन महामारियों को रोकने का रास्ता बंद हो जाता है।

हेल्थ स्टार रेटिंग की कवायद : साफ दिख रही सच्चाइयों के प्रति पूरी तरह बेपरवाह होकर, एफएसएसएआई ने चिंतित नागरिकों, वैज्ञानिक समुदाय और विशेषज्ञों की समझदारी भरी बातों को नजरअंदाज करना जारी रखा। अस्वास्थ्यकर भोजन, खासकर चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट से भरपूर भोजन पर चेतावनी के संकेत शुरू करने के बजाय एफएसएसएआई ने 4 अक्टूबर 2019 को ऑस्ट्रेलियाई हेल्थ स्टार रेटिंग मॉडल की जांच शुरू की। एफएसएसएआई ने सितंबर 2021 में एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिसमें खास तौर पर 1.5 स्टार एचएसआर सिस्टम और इसके न्यूट्रिशनल एल्गोरिदम के बारे में बताया गया। एफएसएसएआई ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद के साथ एक एमएओयू पर हस्ताक्षर किए और 15 फरवरी 2022 को भारतीय आबादी के बीच पैक्ड फूड के लिए अलग-अलग फ्रंट ऑफ पैक लेबल के बारे में उपभोक्ताओं की सोच पर एक स्टडी शुरू करवाई। अब जब एफएसएसएआई ने जन दबाव में न्यायालय में चेतावनी संकेत लागू करने को अपना प्रस्ताव पेश कर दिया है, माना जा सकता है कि जन स्वास्थ्य पर सरकार जल्द ही सख्त रुख अपनाते हुए इसे जल्द लागू करेगी।

-डा. अश्वनी महाजन

पर्यूषण पर्वारम्भ ॥ त्याग में छिपा जीवन का आनंद

त्योहारों की हमारी कल्पना में रंग हैं, रोशनी है, पकवान हैं, खरीदारी है और समग्रता में उत्सव है। कहने का मतलब यह है कि त्योहार का अर्थ आनंद और उल्लास है। लेकिन एक ऐसा पर्व भी है, जिसकी असली चमक बाहर नहीं, बल्कि भीतर दिखाई देती है। जहां उत्सव का अर्थ खाना नहीं, त्यागना होता है। जहां उत्सव का मतलब ज्यादा जुटाना नहीं, बल्कि बहुत कुछ छोड़ देना होता है। जहां स्वाद से अधिक महत्वपूर्ण संयम है और भोग से कहीं ज्यादा मूल्यवान त्याग। जी हां, हम पर्यूषण पर्व की बात कर रहे हैं, जो केवल एक पर्व नहीं, बल्कि एक विरल जीवन-दृष्टि है।

जैन परंपरा में पर्यूषण का पर्व 8 से 10 दिनों तक मनाया जाता है। इस साल यह 8 सितंबर से शुरू हो रहा है। जैन धर्म की दो प्रमुख शाखाएं हैं- श्वेतांबर और दिगंबर। श्वेतांबर परंपरा में यह पर्व 8 दिनों का होता है और इसका अंतिम दिन संवत्सरी कहलाता है, जो बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन आत्मचिंतन, प्रतिक्रमण, प्रायश्चित और क्षमा-याचना की विशेष परंपरा है। संवत्सरी के अवसर पर जैन लोग एक-दूसरे से कहते हैं-'मिच्छामि दुक्कडम?', अर्थात मेरे द्वारा मन, वचन या कर्म से कोई अपराध अथवा दोष हुआ हो तो मैं क्षमा मांगता हूं।

जबकि जैन धर्म की दूसरी शाखा दिगंबर परंपरा में यह पर्व 10 दिनों तक मनाया जाता है। इस कालखंड को दशलक्षण पर्व कहा जाता है। प्रत्येक दिन धर्म की एक साधना पर केंद्रित होता है। ये दस साधनाएं हैं-उत्तम क्षमा (क्षमा), उत्तम मार्दव (विनम्रता), उत्तम आर्जव (सरलता), उत्तम शौच (लोभ से मुक्ति/आंतरिक पवित्रता), उत्तम सत्य (सत्य), उत्तम संयम (इंद्रिय एवं जीव-संयम), उत्तम तप (तपस्या), उत्तम त्याग (त्याग), उत्तम आकिंचन्य (ममत्व और परिग्रह का त्याग) और उत्तम ब्रह्मचर्य (आत्मसंयम)।

जैन परंपरा में पर्यूषण आत्मशुद्धि, संयम, तप और आत्मावलोकन का पर्व है। यह पर्व कुछ समय के लिए बाहरी संसार की भागदौड़ से हटाकर अपने भीतर झांकने का अवसर देता है। जैन दर्शन का मूल आग्रह है कि मनुष्य अपने कषायों-क्रोध, मान, माया और लोभ-पर विजय पाने की कोशिश करे। इसलिए पर्यूषण पर्व केवल कैलेंडर पर आने वाला 8 या 10 दिनों का कोई धार्मिक पर्व नहीं है, बल्कि यह स्वयं के साथ संवाद करने की एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। आज के उपभोक्तावादी समय में भला कौन ऐसा पर्व है, जो कहता है-यह खाने का नहीं, छोड़ने का उल्लास है? ऐसा सिर्फ जैन धर्म का पर्यूषण पर्व ही कहता है। इसलिए आज के इस उपभोक्तावादी दौर में इसकी बहुत ज्यादा प्रासंगिकता है। आज इंसान अपनी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा 'और' के पीछे भागकर बिता देता है। और पैसा, और सामान, और सुविधाएं, और स्वाद, और मनोरंजन। मतलब यह कि जरूरतें हैं कि पूरी होने का नाम ही नहीं लेतीं।

नया मोबाइल पुराने से बेहतर लगता है। अलमारी भले कपड़ों से भरी हो, पर कुछ नए कपड़े चाहिए और घर में चाहे सामान रखने की जरा भी जगह न हो, फिर भी खरीदारी जारी रहती है। जैन दर्शन इस अंतहीन दौड़ के सामने एक मौलिक सवाल उठाता है-हमारे पास वस्तुएं ज्यादा हैं या इच्छाएं?

यहीं से आता है अपरिग्रह। अपरिग्रह का अर्थ केवल वस्तुओं का त्याग कर देना नहीं है। इसका अर्थ है वस्तुओं और संग्रह के प्रति आसक्ति को कम करना। आवश्यकता और लालसा के बीच अंतर समझना। जितना जरूरी है, उतना रखना और बाकी के प्रति मोह कम करना। आधुनिक भाषा में इसे मिनिमलिज्म कहते हैं। लेकिन जैन दर्शन में यह केवल जीवनशैली नहीं, आत्मशुद्धि का साधन है। पर्यूषण इस अपरिग्रह को जीवन में उतारने का मौका देता है।

इस पर्व में तप का विशेष महत्व है। उपवास और अन्य व्रत केवल शरीर को भोजन से दूर रखने की क्रिया नहीं हैं, इनका उद्देश्य इंद्रियों पर नियंत्रण और आत्मसंयम की साधना भी है। जब मनुष्य अपनी इच्छा के सामने 'नहीं' कहना सीख जाता है, तब वह केवल भोजन पर नियंत्रण नहीं करता, बल्कि अपनी आदतों और वासनाओं पर नियंत्रण की क्षमता विकसित करता है। यही कारण है कि जैन धर्म में संयम को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। पर्यूषण की साधना इसलिए 'कम' को महत्व देती है, क्योंकि इस 'कम' का रिश्ता केवल भोजन से नहीं है। कम क्रोध, कम लोभ, कम अहंकार, कम संग्रह, कम हिंसा, कम आसक्ति और इसके बदले अधिक क्षमा, करुणा, मैत्री और आत्म-जागरूकता। जैन दर्शन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्धांत अहिंसा है। सामान्य अर्थ में हम इसे किसी जीव को शारीरिक रूप से क्षति न पहुंचाने से समझते हैं। लेकिन जैन दृष्टि में अहिंसा का अर्थ इससे कहीं व्यापक है। हमारे विचार, वाणी और व्यवहार भी किसी को चोट पहुंचा सकते हैं। इसलिए संयमित जीवन केवल अपने ऊपर नियंत्रण नहीं, बल्कि दूसरों के प्रति संवेदनशीलता भी है। पर्यूषण इसी संवेदनशीलता को गहरा करता है। इस पर्व का एक अन्य महत्वपूर्ण आयाम प्रतिक्रमण है। अपने द्वारा की गई भूलों और दोषों की ओर लौटकर उनका आत्मावलोकन करना।

दिन-प्रतिदिन की जिंदगी में हम दूसरों की गलतियां आसानी से देख लेते हैं, मगर अपनी नहीं देख पाते। प्रतिक्रमण हमें अपने भीतर देखने की आदत सिखाता है। इसलिए समग्रता में पर्यूषण का चरम केवल उपवास नहीं, बल्कि अंत:आत्मा की सफाई है।

हर हादसे के बाद कोई बख्शा नहीं जाएगा का जुमला

जब भी कोई बड़ा हादसा होता है या कोई ऐसा अपराध होता है जिससे सरकार के लिए परेशानी खड़ी हो सकती है, उस समय पर भाजपा नेताओं के जो बयान आते हैं उसमें कहा जाता है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी, कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा। लेकिन यह एक जुमला है जो भाजपा शासित राज्यों में और भाजपा के नेताओं द्वारा पिछले कई सालों से बोला जा रहा है। कार्यवाही के नाम पर 9 दिन चले अढाई कोस की स्थिति बनी रहती है। जांच के नाम पर बड़े-बड़े दावे और वादे किए जाते हैं, लेकिन ना तो कभी जाँच रिपोर्ट सामने आती है ना ही किसी अपराधी को सजा मिलती हुई दिखती है। ताबड़तोड़ तरीके से बड़ी-बड़ी कार्यवाही दिखावे के लिए हो जाती है, लेकिन असल में होता-जाता कुछ नहीं है। मामले को शांत करने के लिए हर दुर्घटना, हादसे और अपराध में सरकारी खजाने से मुआवजा देकर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है। इसे कहते हैं हर्र लगे ना फिटकरी, रंग चोखा हो जाए। सरकारी खजाने से मुआवजा देकर भाजपा नेता वाहवाही लूट लेते हैं। मामला भी शांत हो जाता है, जांच के बहाने मामला महीनों और सालों के लिए ठंडे बस्ते में चला जाता है। पिछले एक दशक से यही सब देखने को मिल रहा है। आम जनता को दोनों तरफ से नुकसान उठाना पड़ता है। सरकार और घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही से जान और माल से हाथ धोना पड़ता है। यह घटना लगातार चलती रहती है। घटना हो जाने के बाद भी कोई सुधार नहीं आता है। जो दावे नेता और अधिकारियों द्वारा किए जाते हैं वह केवल बयान तक सीमित रहते हैं। दिल्ली में हाल ही में जो इमारत गिरी है, इसमें सात की मौत हो गई है। करीब एक दर्जन घायल छात्र अस्पताल में भर्ती हैं। पूरी दिल्ली में इस तरह के निर्माण हज़ारों की संख्या में है। दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार है।

कब तक बिकेगी शराब के नाम पर मौत की घुट्टी

भारत में जहरीली शराब से होने वाली मौतें एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती बनी हुई हैं, जिसमें ड्राई स्टेट से लेकर अन्य राज्यों तक लगातार दुखद घटनाएं सामने आती रहती हैं। ताजा मामला मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब कांड ने हड़कंप मचा दिया है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 112 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती हैं. मामले में मजिस्ट्रेटियल जांच के आदेश दिए गए हैं. प्रशासन ने एहतियातन इलाके की छह शराब दुकानों को सील कर दिया है. पुलिस ने 30 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और 14 लोगों को हिरासत में लिया गया है. वहीं, मौतों के आंकड़े को लेकर सियासत भी गरमा गई है. अभी अगस्त 2026 में गुजरात के भावनगर में भी नकली विदेशी शराब के नाम पर बेची गई जहरीली शराब पीने से 7 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती किए गए। जहरीली शराब का यह जानलेवा सिलसिला देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर देखने को मिलता है।देश भर में आए दिन जहरीली और नकली शराब से होने वाली मौतें अब केवल दुर्घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ये घटनाएं हमारी व्यवस्था, कानून लागू करने वाली एजेंसियों और समाज के सामने खड़े एक गंभीर सवाल का रूप ले चुकी हैं। हर कुछ महीनों सप्ताह के अन्तराल पर देश के किसी न किसी हिस्से से खबर आती है कि नकली शराब पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी, कई अस्पताल पहुंचे और कुछ ने दम तोड़ दिया। प्रशासन सक्रिय होता है, गिरफ्तारियां होती हैं, जांच बैठती है, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ समय बाद मामला फिर सुर्खियों से गायब हो जाता है। फिर किसी दूसरे शहर, गांव या राज्य में वही कहानी दोहराई जाती है। सवाल यही है, आखिर यह सिलसिला कब थमेगा ? शराबबंदी वाले राज्यों में तस्करी का सिलसिला अधिक गंभीर है, अभी समस्तीपुर बिहार में आरपीएफ और सीआईबी की संयुक्त टीम ने दिल्ली से आ रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के फर्स्ट क्लास एसी कोच

से 75 लीटर महंगी विदेशी शराब बरामद की है। इस तस्करी के आरोप में एक युवती नेहा और उसके जीजा को गिरफ्तार किया गया है। जिस राज्य में शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी प्रतिबंध है, वहां नकली शराब लोगों तक पहुंच कैसे रही है? भावनगर शराब कांड में पुलिस की शुरुआती जांच में एक लोकप्रिय ब्रांड के नाम पर डुप्लीकेट शराब बेचे जाने और इसके मध्य प्रदेश से लाए जाने की आशंका सामने आई है। पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को हिरासत में भी लिया है। लेकिन भावनगर कोई पहली घटना नहीं है। गुजरात ने जुलाई 2022 में भी भयावह शराब त्रासदी देखी थी। बोटाद और आसपास के इलाकों में जहरीली शराब से 42 लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। उस समय भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, अधिकारियों का तबादला हुआ और अवैध शराब के नेटवर्क को तोड़ने के दावे किए गए थे। सवाल है कि चार वर्ष बाद भी यदि नकली शराब लोगों तक पहुंच रही है तो पिछली कार्रवाई से हमने आखिर सीखा क्या? यह समस्या केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। पंजाब, बिहार, तमिलनाडु, असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और कई अन्य राज्य समय-समय पर ऐसी त्रासदियों के गवाह बने हैं। तमिलनाडु के कालाकुरिची में जून 2024 में मेथेनॉल मिली अवैध शराब ने दर्जनों परिवारों को उजाड़ दिया था। आधिकारिक कार्रवाई के दौरान अवैध शराब जब्त हुई, गिरफ्तारियां हुई और प्रशासनिक अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों में भी अवैध एवं नकली शराब के सेवन से होने वाली मौतों को अलग श्रेणी में दर्ज किया जाता है। उपलब्ध एनसीआरबी आधारित डेटा 2012 से 2024 तक राज्यवार ऐसी मौतों का दस्तावेजीकरण करता है। इससे इतना तो साफ है कि यह किसी एक राज्य या एक दौर की समस्या नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही राष्ट्रीय चुनौती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अक्सर इन घटनाओं में मरने वाले लोग समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं। सस्ती शराब की तलाश उन्हें ऐसे अवैध कारोबारियों तक पहुंचा देती है जिन्हें न गुणवत्ता की चिंता होती है, न कानून का भय और न इंसानी जीवन की कीमत का एहसास। अधिक नशा पैदा करने या लागत कम रखने के लिए शराब में मेथेनॉल जैसे जहरीले रसायनों की मिलावट जानलेवा साबित हो सकती है। कल्लाकुरिची मामले में भी मेथेनॉल मिश्रित शराब की पुष्टि सामने आई थी। अधिकरत देखा जाता है कि हर बड़ी आसदी के बाद प्रशासन की एक परिचित तस्वीर सामने आती है। छापेमारी शुरू होती है, अवैध ठिकाने बंद किए जाते हैं, संदिग्ध गिरफ्तार होते हैं और पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा जाता है। लेकिन असली चुनौती घटना के बाद कार्रवाई करने की नहीं, घटना होने से पहले नेटवर्क को समाप्त करने की है। अवैध शराब का कारोबार अकेले किसी गली या गांव में बैठा व्यक्ति नहीं चला सकता। कच्चा माल कहां से आता है? बोतलें कहां बनती हैं? लोकप्रिय कंपनियों के नाम और लेबल की नकल कैसे होती है? माल एक जिले से दूसरे जिले और कई बार एक राज्य से दूसरे राज्य तक कैसे पहुंचता है? परिवहन, भंडारण और बिक्री की जानकारी स्थानीय स्तर पर किसी को क्यों नहीं मिलती? यदि वर्षों तक कारोबार चलता रहता है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही, स्थानीय संरक्षण या भ्रष्ट तंत्र भी इसका रास्ता आसान कर रहा है।

टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान, मार्नस लाबुशेन पर भरोसा बरकरार

सिडनी ॥ एजेंसी

आलोचनाओं का सामना कर रहे नंबर तीन के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में अपनी जगह बनाए रखी है। इस दौरे पर दोनों टीमें वनडे सीरीज के बाद नौ अक्टूबर से तीन लाल गेंद मैच खेलेंगी। 2018 के उस बदनाम दौरे के बाद यह पहला मौका होगा जब ऑस्ट्रेलिया दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज खेलेगा। उस दौरे पर गेंद से छेड़छाड़ का विवाद हुआ था। उस दौरे से अब केवल पांच खिलाड़ी बचे हैं। पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जॉश हेजलवुड, स्टीव स्मिथ और मैट रेनशॉ - रेनशॉ को तब टीम में देर से शामिल किया गया था जब वॉर्नर, स्मिथ और बैनक्रॉफ्ट पर सस्पेंशन लगा था।

डार्विन में बांग्लादेश से हार के बाद, उम्मीद थी कि ऑस्ट्रेलिया टीम में बड़े बदलाव करेगा और चर्चा थी कि लाबुशेन अपनी जगह खो सकते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें वनडे टीम से तो बाहर कर दिया, लेकिन टेस्ट टीम में बनाए रखा है, भले ही बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में उनका प्रदर्शन खराब रहा (स्कोर: 1, 31 और 4)। लाबुशेन ने अपना आखिरी टेस्ट शतक तीन साल पहले मैनचेस्टर में लगाया था। हालांकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम में बहुत अधिक बदलाव करने से परहेज किया है, लेकिन उन्होंने शानदार प्रदर्शन करने वाले कूपर कोनोली को टीम में शामिल किया है। कोनोली ने पिछले साल श्रीलंका में इस प्रारूप में पर्दापण किया था, लेकिन उनके नाम अभी केवल एक टेस्ट मैच खेलने का अनुभव है। मैथ्यू कुनेमैन और माइकल नेसर को भी टीम में शामिल किया गया है।

कुन्हेमैन, नाथन लियोन की ऑफ-स्पिन के साथ लेफ्ट-आर्म स्पिन का विकल्प देते हैं, जबकि नेसर ऑल-राउंडर स्किल्स लाते हैं जो दक्षिण अफ्रीका में काम आ सकती हैं। नेसर काफ की चोट के कारण बंगलादेश के खिलाफ मैच नहीं खेल पाए थे, अब वे वापसी कर रहे हैं। एशेज 2025-26 में शानदार प्रदर्शन के बाद, जिसमें उन्होंने तीन मैचों में 15 विकेट लिए थे, नेसर इस दौरे पर अपने जन्मस्थान (दक्षिण अफ्रीका) के खिलफ़ खेलने की कतार में हो सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने ट्रैविस हेड के ओपनिंग पार्टनर के तौर पर रेनशॉ को भी बरकरार रखा है। डार्विन में बांग्लादेश से हार के बाद रेनशॉ को जेक वेदरल्ड की जगह टीम में शामिल किया गया था। पिछले सीजन में शेफील्ड शील्ड में सबसे अच्छे ओपनर रहने और 10 पारियों में तीन शतक लगाने के कारण उन्हें मैके टेस्ट में खेलने का मौका मिला था। मैके टेस्ट में अपनी एकमात्र पारी में रेनशॉ आठ रन पर आउट हो गए थे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए उन पर भरोसा जताया गया है। तीन टेस्ट मैचों में से पहला मैच 9 अक्टूबर से किंग्समीड, डरबन में खेला जाएगा। इसके बाद 18 अक्टूबर से गकेबेरहा के सेंट जॉर्ज पार्क में मैच होंगे और सीरीज़ का समापन 27 अक्टूबर से केप टाउन के न्यूलैंड्स में होगा।

दक्षिण अफ्रीका दौर पर ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम इस प्रकार है:- पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, कैमरन ग्रीन, जॉश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क और ब्यू वेबस्टर।

रोहित यादव की जगह आर्यन सवसानी, तन्मय बलोदा भारत की अंडर-19 टीम में शामिल

नई दिल्ली ॥ एजेंसी

सौराष्ट्र के आर्यन सवसानी और हरियाणा के तन्मय बलोदा को उम्र में धोखाधड़ी के मामले में बाहर किए गए रोहित यादव के स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस महीने के आखिर में होने वाली श्रृंखला के लिए मंगलवार को भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया।

रोहित को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय और लंबी अवधि के प्रारूप के लिए दोनों टीम में शामिल किया गया था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन पर कथित तौर पर अपनी उम्र गलत बताने के आरोप में दो साल का प्रतिबंध लगा दिया है। बीसीसीआई ने कहा कि सवसानी और बलोदा क्रमश: एकदिवसीय और बहुदिवसीय भारतीय टीमों में यादव की जगह लेंगे। बीसीसीआई ने बताया, जूनियर चयन समिति ने सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के आर्यन सवसानी को रोहित यादव के स्थान पर भारत की अंडर-19 वनडे टीम में, जबकि हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन के तन्मय बलोदा को बहुदिवसीय टीम में शामिल किया है।भारत अंडर-19 टीम राजकोट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच और पहला बहुदिवसीय मैच खेलेगी, जबकि दूसरा बहुदिवसीय मैच अहमदाबाद में खेला जाएगा। तीनों एकदिवसीय मैच क्रमश: 18, 21 और 23 सितंबर को, जबकि दो बहुदिवसीय मैच 27 से 30 सितंबर और पांच से आठ अक्टूबर को खेले जाएंगे।

टीम इस प्रकार हैं

एकदिवसीय मैचों के लिए: लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशबर्धन चौहान (उपकप्तान), रजत बघेल (विकेटकीपर), आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनल चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), वी. यशवीर, शाविन विनोद, मोहित उलवा, चिगुरुपति वेंकट, काव्या पटेल, आर्यन सवसानी।

बहुदिवसीय मैचों के लिए: यशबर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उप-कप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा (विकेटकीपर), अभिप्राय विश्वास (विकेटकीपर), इशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उलवा, आर्यन यादव, तन्मय बलोदा।

पाकिस्तान क्रिकेट वेंटिलेटर पर, पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर बोले, मौजूदा टीम से कोई उम्मीद नहीं

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट वेंटिलेटर पर है और मौजूदा टीम से कोई उम्मीद नहीं बची है। इंग्लैंड दौरे पर लगातार खराब प्रदर्शन के बीच पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने पीसीबी और टीम की मौजूदा स्थिति पर तीखी टिप्पणी की है। वहीं, पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने स्थानीय और विदेशी कोचों के साथ अलग-अलग व्यवहार किए जाने पर सवाल उठाते हुए सिस्टम पर निशाना साधा है। इंग्लैंड तीन टेस्ट की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना चुका है और तीसरा मुकाबला बाकी है। शोएब अख्तर ने कहा, टीम को दोबारा मजबूत स्थिति में आने में करीब दो साल लग सकते हैं। अख्तर ने कहा कि पीसीबी मौजूदा टीम के प्रदर्शन से निराश है और अब उसकी उम्मीदें अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से हैं। उनका मानना है कि ऐसे क्रिकेटरों को तैयार करने की जरूरत है, जो लंबे समय तक पाकिस्तान के लिए खेलें। पूर्व तेज गेंदबाज ने शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रऊफ को लेकर अलग से सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन तीनों के करियर में अभी काफी क्रिकेट बाकी है, इसलिए उनके वर्कलोड और फिटनेस का ध्यान रखा जाना चाहिए। पाकिस्तान अब एजबेस्टन में तीसरा टेस्ट खेलेगा।

इंग्लैंड की वनडे और टी-20 टीम के मेंटोर बने केविन पीटरसन

लंदन। इंग्लैंड ने पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को पुरुष व्हाइट-बॉल टीम का स्पेशलिस्ट मेंटोर नियुक्त किया है। वह साउथ अफ्रीका में अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी में टीम के साथ काम करेंगे। पीटरसन इसी महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी-20 इंटरनेशनल और वनडे सीरीज से ब्रेंडन मैकुलम की टीम के साथ जुड़ेंगे। कोचिंग टीम में मार्कस ट्रेस्कोथिक, टिम साउदी, जीतन पटेल और सारा टेलर भी शामिल हैं। पीटरसन ने टीम से जुड़ने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, मुझे बेहद गर्व है कि इस टीम के वर्ल्ड कप जीतने के सफर में मदद करने के लिए मुझे कहा गया है। 2014 के बाद पहली बार इंग्लैंड की जर्सी पहनना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और बेहद खास पल है। इंग्लैंड व्हाइट बॉल के हैड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा, मेरे मन में केपी और क्रिकेट में उनकी उपलब्धियों के लिए बहुत सम्मान है।

भारतीय खिलाड़ी से भिड़ना पड़ा भारी, पाकिस्तान की कप्तान पर आईसीसी ने लगाया जुर्माना

दुबई। आईसीसी ने पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट पॉइंट दिया है। उन पर ये कार्रवाई शनिवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत के खिलाफ महिला एशिया कप ग्रुप, मैच के दौरान भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को आउट करने के बाद एग्रेशन दिखाने पर की गई है। पाकिस्तान ये मैच 7 विकेट से हार गया था।इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार को एक बयान में कहा कि फातिमा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के आर्टिकल 2.15 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी बल्लेबाज के आउट होने पर ऐसी भाषा, हरकत या इशारे करने से संबंधित है जो बल्लेबाज का अपमान करते हों या उसे आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकते हों।यह घटना भारत के 56 रन के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर हुई, जब फातिमा ने ओपनर शैफाली वर्मा को कॉट-एंड-बोल्ड आउट करने के बाद पवेलियन की ओर इशारा किया। यह 24 महीनों के भीतर फातिमा का दूसरा अपराध है, जिससे उनके कुल डिमेरिट पॉइंट्स की संख्या दो हो गई है। उन्हें पिछला डिमेरिट पॉइंट 6 अगस्त, 2025 को डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ शुरुआती T20 इंटरनेशनल मैच के दौरान मिला था। फातिमा ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और आईसीसी के मैच रैफरी के अंतरराष्ट्रीय पैनल की सुप्रिया रानी दास द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

सच बाजार

एसबीआई की सीएसआर पहल से स्वास्थ्य सेवा और महिला सशक्तिकरण को मजबूती

33.16 लाख रुपए की एडवांस्ड लाइफ केयर एम्बुलेंस प्रदान की

व्यापार संवाददाता ॥ भोपाल

भारतीय स्टेट बैंक भोपाल सर्कल ने सीएसआर के तहत रायपुर में स्वास्थ्य सेवा और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी दो पहल कीं। बैंक की ओर से पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, रायपुर को 33.16 लाख रुपए की एडवांस्ड लाइफ़ केयर एम्बुलेंसप्रदान की गई। वहीं, जरूरतमंद एवं बीपीएल परिवारों की 50 महिलाओं को स्वरोजगार के उद्देश्य से सिलाई मशीनें वितरित की गईं। कार्यक्रम में एसबीआई के अध्यक्ष सी.एस. सेट्टी उपस्थित रहे। बैंक के प्रबंध निदेशक अश्विनी तिवारी, राणा आशुतोष कुमार सिंह, राम मोहन राव अमरा और रवि रंजन भी मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज को अत्याधुनिक एम्बुलेंस

सीएसआर के तहत दी गई एडवांस्ड लाइफ़ केयर एम्बुलेंस जीवन रक्षक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित है। इसका उपयोग आपात स्थिति में गंभीर मरीजों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने और अस्पताल तक सुरक्षित पहुंचाने में किया जाएगा। एम्बुलेंस को पंडित जेएनएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. विवेक चौधरी ने प्राप्त किया। इस अवसर पर एसबीआई भोपाल सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक प्रभाष कुमार सुबुद्धि, सीएमसी के सदस्य और बैंक के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

50 महिलाओं को सिलाई मशीनें

दूसरी सीएसआर पहल के तहत बीपीएल लाभार्थियों के लिए 50 सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। लाभार्थियों का चयन परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना, अभनपुर द्वारा किया गया था। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार का साधन उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में सहयोग देना है।

एसबीआई लेडीज क्लब (कॉर्पोरेट सेंटर) की सूर्या श्रीदेवी, विजया अमरा और अमृता सिन्हा सहित वरिष्ठ सदस्याओं ने लाभार्थियों को सिलाई मशीनें प्रदान कीं। कार्यक्रम में भोपाल मंडल की लेडीज क्लब अध्यक्षा श्रीमती श्रद्धांजलि सुबुद्धि सहित बैंक के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। एसबीआई की इन दोनों सीएसआर पहलों के माध्यम से रायपुर में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सहयोग देने के साथ जरूरतमंद महिलाओं को स्वरोजगार का अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

एक्सिस बैंक ने अराइज होमकमिंग लांच किया

एक्सिस बैंक ने अराइज होमकमिंग पहल शुरू करने की घोषणा की। यह पहल उन भारतीय टैलेंट के लिए है जिन्होंने विदेश में पढ़ाई की है और जो भारत में करियर के मौके तलाश रहे हैं। एक्सिस बैंक की हायरिंग पॉलिसी को भौगोलिक सीमाओं से आगे बढ़ाते हुए यह प्रोग्राम अलग-अलग डिग्री, विषयों और संस्थानों के कैंडिडेट्स का स्वागत करता है, जिसमें स्किल्स, क्षमता और रोल के लिए उपयुक्तता पर खास जोर दिया जाता है।

एसबीआई और बिसलेरी इंटरनेशनल ने की साझेदारी

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के साथ एसबीआई की शाखाओं और कार्यालयों में जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए लेटर ऑफ एसोसिएशन पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी के तहत बिसलेरी, एसबीआई के कर्मचारियों और हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन को लेकर प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र आयोजित करेगी। इसके अलावा एसबीआई के कार्यालयों से इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक कचरे का संग्रह कर उसे रीसाइक्लिंग के लिए भेजा जाएगा। 'बॉटल्स फॉर चेंज' बिसलेरी भारत के प्रमुख पैकेज्ड वाटर ब्रांड की एक पहल है। इसके माध्यम से कंपनी संस्थानों, हाउसिंग सोसाइटीज, कॉरपोरेट्स और समुदायों के साथ मिलकर जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूकता पैदा करती है। एसबीआई और बिसलेरी के बीच यह साझेदारी भारत को सर्कुलर इकोनॉमी की ओर ले जाने में भी सहयोग करने के उद्देश्य से की गई है। भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक (रिस्क, कंप्लायंस एंड एसएआरजी) रवि रंजन ने कहा कि बॉटल्स फॉर चेंज% पहल के तहत बिसलेरी के साथ हमारा सहयोग रोजमर्रा की कार्यस्थल संस्कृति में टिकाऊ प्रक्रियाओं को शामिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा मानना है कि जब कर्मचारियों को जिम्मेदार विकल्प अपनाने के लिए सक्षम बनाया जाता है, तो यह जागरूकता हमारे कार्यालयों से कहीं आगे उन समुदायों तक पहुंचती है, जिनकी हम सेवा करते हैं और जिनका हम हिस्सा हैं। बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ डॉ. एंजेलो जॉर्ज ने कहा, जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन की शुरुआत जागरूकता और सामूहिक कार्रवाई से होती है। भारतीय स्टेट बैंक के साथ हमारी साझेदारी भारत के सबसे बड़े संस्थानों में से एक की पहुंच और 'बॉटल्स फॉर चेंज' के माध्यम से बिसलेरी के अनुभव को एक साथ लाती है।

जेन जी के नजरिए की अमिताभ ने की सराहना

मुंबई। 'कौन बनेगा करोड़पति 18' के हालिया एपिसोड में मेजबान अमिताभ बच्चन ने जेन जी पीढ़ी के जीवन के प्रति ताजगी भरे नजरिए की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी खुश रहने के लिए किसी बड़ी वजह या जीवन के पूरी तरह परफेक्ट होने का इंतजार नहीं करती। अमिताभ ने बताया कि जेन जी रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों में भी खुशी तलाशती है और परिस्थितियों को स्वीकार करते हुए जीवन का आनंद लेना जानती है। उनके अनुसार, यह पीढ़ी सफलता हासिल करने के साथ-साथ जीवन को जीने और उसका आनंद लेने को भी महत्व देती है।

मौसम और कम उत्पादन ने बढ़ाई चिंता

हल्दी की कीमतों में तेजी की आशंका

व्यापार संवाददाता ॥ भोपाल

रिकॉर्ड तेजी के बाद हल्दी की कीमतों में भले ही कुछ नरमी आई हो, लेकिन भाव अब भी ऊंचे स्तर पर बने हुए हैं और आने वाले समय में भी हल्दी का भविष्य तेजी सूचक का ही बताया जा रहा है। बाजार जानकारों के अनुसार प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में उम्मीद से कम बुआई, बारिश की स्थिति और संभावित अल-नीनो प्रभाव को लेकर बाजार में चिंता बनी हुई है। यदि आगामी महीनों में सूखे की स्थिति बनती है तो नई फसल की पैदावार प्रभावित हो सकती है, जिससे हल्दी की कीमतों में एक बार फिर तेजी आने की आशंका है। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार हल्दी की कीमतों में पिछले एक साल के दौरान तेज उछाल आया है। जनवरी से अब तक कीमतों में 25 फीसदी से अधिक, जबकि पिछले तीन महीनों में 28 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सालाना आधार पर हल्दी करीब 50 फीसदी से अधिक महंगी हो चुकी है। राजधानी भोपाल में हल्दी का थोक भाव 16000 से 17000 रुपए क्विंटल है जो आने वाले समय में 20 हजार रुपए प्रति क्विंटल के पार जाने की संभावना है। थोक व्यापारी अनिल कुकरेजा के अनुसार बाजार में कैरी-फॉरवर्ड स्टॉक भी पिछले सीजन की तुलना में कम है। बाजार अनुमानों के मुताबिक 2025-26 सीजन में हल्दी का वास्तविक उत्पादन शुरुआती अनुमान करीब 11.4 लाख टन से कम रह सकता है। वहीं घरेलू खपत और निर्यात मांग मजबूत बनी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार फसल के शुरुआती विकास चरण में यदि सूखे की स्थिति बनी रहती है तो पैदावार प्रभावित हो सकती है। इससे बाजार में उपलब्धता पर दबाव बढ़ेगा और कीमतों में दोबारा तेजी का रास्ता खुल सकता है।

सीआईआई रियल एस्टेट समिट 2026 में रियल एस्टेट सेक्टर के दिग्गज शामिल होंगे मंथ

मुंबई 2030 पुनः विकास और निवेश से बदलेगा रियल एस्टेट का परिदृश्य

मुंबई ॥ एजेंसी

देश की वित्तीय राजधानी मुंबई का रियल एस्टेट सेक्टर विकास के नए चरण में प्रवेश कर रहा है। री-डेवलपमेंट, संस्थागत पूंजी का बढ़ता प्रवाह, नए और वैकल्पिक एसेट क्लास, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स का विस्तार और बदलती ऑक्यूपायर डिमांड आने वाले वर्षों में मुंबई के रियल एस्टेट बाजार की दिशा तय करेंगे। इन संभावनाओं और चुनौतियों पर 9 सितंबर को द सेंट रेजिस, मुंबई में सीआईआई रियल एस्टेट समिट 2026 में व्यापक मंथन होगा। सम्मेलन में वरिष्ठ नीति-निर्माताओं, प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर्स, वैश्विक निवेशकों, संस्थागत पूंजी प्रदाताओं और उद्योग विशेषज्ञों के बीच 'मुंबई 2030' को लेकर चर्चा होगी। सम्मेलन का उद्देश्य मुंबई के रियल एस्टेट विकास के अगले चरण में निवेश और विकास की संभावनाओं को सामने लाना है।

समिट के दौरान रियल एस्टेट क्षेत्र पर एक विशेष राष्ट्रीय रिपोर्ट भी लॉन्च की जाएगी। इसमें सेक्टर के मौजूदा रुझानों, उभरती चुनौतियों और आने वाले समय में विकास के संभावित अवसरों का विश्लेषण किया जाएगा। रिपोर्ट को उद्योग और नीति-निर्माताओं के लिए भविष्य की रणनीति तय करने में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। समिट में रियल एस्टेट और वित्तीय क्षेत्र के कई प्रमुख चेहरे हिस्सा लेंगे। इनमें एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी और एचडीएफसी कैपिटल एडवाइजर्स के लाठी दीपक पारिंग, एमएमआरडीए के गरीबी डॉ. इनमें संजय मुखर्जी, सीबीआरई इंडिया के सुपरस्टार एवं सीईओ असममान वाइजर्स, फीनिक्स मिल्स के सुपरस्टार अतुल रुइया, के रहेजा कॉर्प ग्रुप के ग्रुप प्रेसिडेंट नील रहेजा, ब्लैकस्टोन के रियल एस्टेट ग्रुप के एमडी आलोक जैन, ब्रूकफील्ड रियल एस्टेट ग्रुप के एमडी रचित कोठारी और प्रेस्टीज ग्रुप के सीईओ-वेस्ट इंडिया तारिक अहमद प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा सीआईआई वेस्टर्न रीजन के गरीबी वीर एस. अडवाणी में रेमंड रियल्टी, माइंडस्पेस बिजनेस पार्क आरईआईटी, कैपिटालैंड इन्वेस्टमेंट, अदानी एयरपोर्ट सिटी, सिफी डेटा सेंटर, रुस्तमजी, कोल्टे-पाटिल डेवलपर्स और पूर्वांकरा समेत कई प्रमुख संस्थाओं के वरिष्ठ प्रतिनिधियों की भी चर्चा हुई।

समिट में मुंबई के लिए री-डेवलपमेंट बनाम ग्रीनफील्ड डेवलपमेंट के मॉडल पर भी चर्चा होगी। शहर में सीमित भूमि उपलब्धता और पुराने आवासीय एवं व्यावसायिक क्षेत्रों के पुनर्विकास को देखते हुए री-डेवलपमेंट को भविष्य के विकास का महत्वपूर्ण माध्यम माना जा रहा है। इसके साथ ही संस्थागत पूंजी का प्रवाह, वैकल्पिक एसेट क्लास, जीसीसी विस्तार, एआई आधारित रियल एस्टेट, ऑफिस सेक्टर का भविष्य और आरईआईटी के स्वरूप जैसे मुद्दों पर भी केंद्र में चर्चा की जाएगी।

एनएसपी किड्स जोन स्कूल में धूमधाम से मनाया जन्माष्टमी उत्सव

सच संवाददाता || भोपाल।

तारासेवनिया स्थित नव संस्कार पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल एवं एनएसपी किड्स जोन स्कूल में गुरुवार, 3 सितंबर को जन्माष्टमी उत्सव हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा-कृष्ण की आकर्षक वेशभूषा में नजर आए, जिससे पूरा विद्यालय परिसर कृष्णमय हो गया। जन्माष्टमी उत्सव के दौरान बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। मटकी फोड़ कार्यक्रम ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। बच्चों की उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित अभिभावकों एवं विद्यालय स्टाफ का मन मोह लिया। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख डॉ. देवेंद्र सिंह, प्राचार्या श्रीमती राखी श्रीवास्तव सहित शिक्षिकाएं कुमारी अंजलि चौकसे, आरती यादव, विपाशा मीना, शिवानी मीना एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों को भारतीय संस्कृति और धार्मिक पर्वों के महत्व से परिचित कराने के उद्देश्य से इस तरह के आयोजन को महत्वपूर्ण बताया।

गुफा मंदिर में 21 ब्राह्मणों ने कराया श्री हनुमान जी का सहस्त्रधारा अभिषेक

सच संवाददाता || भोपाल।

लालघाटी स्थित गुफा मंदिर धाम में श्री बूढ़े हनुमान जी का सहस्त्रधारा अभिषेक श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। श्री बूढ़े हनुमान सहस्त्रधारा अभिषेक मंडल द्वारा आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर परिसर में मंत्रोच्चार के बीच 21 ब्राह्मणों ने विधि-विधान से भगवान हनुमान जी का सहस्त्रधारा अभिषेक कराया।मंडल के संयोजक अनुपम अग्रवाल ने बताया कि पिछले 15 महीनों से श्री बूढ़े हनुमान सहस्त्रधारा अभिषेक मंडल द्वारा नियमित रूप से यह धार्मिक आयोजन कराया जा रहा है। शनिवार को हुए अभिषेक में सोहन अग्रवाल मुख्य यजमान रहे। अनुष्ठान के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। अभिषेक के बाद भगवान हनुमान जी की आरती और विधिवत पूजन किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया।

आयोजन में अग्रवाल मित्र मंडल एवं महिला मंडल की संयोजिका श्रीमती ज्योति बंसल, कोषाध्यक्ष गोपाल अग्रवाल सहित मनोज अग्रवाल, चन्द्रेश अग्रवाल, डॉ. अंकुर अग्रवाल, अचिन अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, अमित बिल्लोरे, मोहित अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, राजेंद्र भदौरिया, अभय गर्ग और अशोक साहू सहित अन्य भक्तगण उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने हनुमान जी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता की।

बाबूलाल गौर कॉलेज में शिक्षक सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन, 50 शिक्षकों का हुआ सम्मान

सच संवाददाता || भोपाल।

शिक्षक दिवस के अवसर पर बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल, भोपाल में शिक्षक सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रायोजक संस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश तथा सहयोगी संस्था सोसायटी ऑफ एनजीओ अवेयरनेस, अवधपुरी, भेल रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध कवि संजय सिंह रहे, जबकि अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन ने की। विशिष्ट अतिथियों में सोसायटी ऑफ एनजीओ अवेयरनेस के अध्यक्ष महेन्द्र प्रसाद शर्मा, श्रीमती मंजू शर्मा एवं बालिका अंशिका पाण्डेय उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को भी पुष्पांजलि अर्पित कर याद किया गया। छात्रा शशि वंशकार ने सरस्वती वंदना, मुस्कान ठाकरे ने नृत्य के माध्यम से गुरु वंदना प्रस्तुत की। बालिका अंशिका पाण्डेय के भावपूर्ण भजन ने कार्यक्रम को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण शिक्षक सम्मान समारोह में सोसायटी ऑफ एनजीओ अवेयरनेस के अध्यक्ष महेन्द्र प्रसाद शर्मा ने सबसे पहले महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन को सम्मानित किया। इसके बाद महाविद्यालय के करीब 50 शिक्षकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। अतिथि स्वागत के दौरान प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन ने मुख्य अतिथि कवि संजय सिंह को नवपल्लवित पौधा, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। वहीं महेन्द्र प्रसाद शर्मा का स्वागत राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा यादव ने किया। शायर नितेश का स्वागत डॉ. सुषमा जादौन तथा शैलेश ओझा का स्वागत डॉ. अंजना अग्रवाल ने किया। शिक्षक सम्मान के बाद कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। महाविद्यालय के स्वरचित साहित्य मंच के विद्यार्थियों श्रीया विश्वकर्मा, मनन दीक्षित, प्राची विश्वकर्मा और तुषार पाण्डेय ने गुरु को केंद्र में रखकर अपनी स्वरचित कविताओं का प्रभावशाली पाठ किया।

भोपाल के शायर नितेश ने अपनी शायरी 'हे नमन गुरुवर तुम्हें स्वीकार हो' प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। वहीं मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध कवि संजय सिंह ने अपने चर्चित गीत से काव्य पाठ की शुरुआत की। उनकी भावपूर्ण प्रस्तुति ने सभागार में मौजूद श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया और कई श्रोताओं की आंखें नम हो गईं। इसके बाद उनकी दूसरी चर्चित कविता 'हाय मेरे लाल, कैसा दिन ये दिखाया' को भी श्रोताओं ने खूब सराहा।कार्यक्रम के अंत में विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 विद्यार्थियों को पारितोषिक प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. कमलेश सिंह नेगी ने किया। समापन अवसर पर स्वरचित साहित्य मंच की छात्रा श्रीया विश्वकर्मा ने अतिथियों, प्राचार्य, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कैम्पियन स्कूल में शिक्षक दिवस पर गुरुजनों का सम्मान, नृत्य, संगीत और अन्य प्रस्तुतियां

सच संवाददाता || भोपाल।

शिक्षक दिवस के अवसर पर राजधानी भोपाल के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में गुरुजनों के सम्मान के साथ सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कैम्पियन स्कूल में जहां विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत और अन्य प्रस्तुतियों से शिक्षकों का मनोरंजन किया । कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य फादर अमृतलाल टोप्पो एसजे, उप प्राचार्य फादर फेबियानुस एसजे और हैडमिस्ट्रेस सिस्टर रेनिशा एसी ने दीप प्रज्ज्वलन एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर की। प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों ने प्रार्थना और मधुर गीत प्रस्तुत किए। फादर्स, ब्रदर्स, शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित स्टाफ सदस्यों का पुष्पगुच्छ, ग्रीटिंग कार्ड और पौधे भेंट कर स्वागत किया गया। विद्यार्थियों ने स्वागत नृत्य के साथ समारोह को यादगार बनाया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बॉलीवुड फ्यूजन, वेस्टर्न डांस, भांगड़ा, हिप-हॉप, बीट-बॉक्सिंग, कविताओं और म्यूजिकल इवेंट की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। सेकेंडरी स्कूल के म्यूजिक ग्रुप ने विभिन्न गीतों पर ऑर्केस्ट्रा की प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने विशिंग सॉन्ग भी प्रस्तुत किया। समारोह में शिक्षकों के लिए रेड कार्पेट पर रैंप वॉक और विभिन्न गेम्स का आयोजन किया गया। अंत में सेलिब्रेशन डांस ने कार्यक्रम में उत्साह भर दिया।

इस अवसर पर प्राथमिक एवं माध्यमिक विभाग के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, ऑफिस स्टाफ, सपोर्टिंग स्टाफ, बस ड्राइवर और कंडक्टर्स को उपहार देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य फादर अमृतलाल टोप्पो ने अपने प्रेरक संबोधन में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व और उनके दार्शनिक, लेखक एवं शिक्षाविद् के रूप में योगदान को याद किया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद प्रस्ताव विद्यार्थियों ने किया।

भोपाल में चार दिवसीय 'टैगोर नाट्य महोत्सव' का शुभारंभ, पहले दिन गूंजा गुरुदेव का संगीत और रंगमंच

भोपाल। टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय एवं विश्व रंग फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय 'टैगोर नाट्य महोत्सव' का रविवार को रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के मुक्ताकाश में शुभारंभ हुआ। पहले दिन गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के गीतों की सांगीतिक प्रस्तुति, उनकी कहानियों पर आधारित नाटक और 'टैगोर की सांस्कृतिक चेतना' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में आरएनटीयू के कुलाधिपति एवं वरिष्ठ साहित्यकार संतोष चौबे, कुलगुरु डॉ. आर.पी. दुबे,

कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी, टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के निदेशक विनय उपाध्याय, संतोष कौशिक, विकास अवस्थी सहित साहित्य, रंगमंच और कला जगत से जुड़े लोग उपस्थित रहे। महोत्सव के पहले दिन टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के नवांगतुक विद्यार्थियों ने 'गीतांजलि' की प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने टैगोर के गीतों को संगीत के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर वातावरण को भावपूर्ण बना दिया।

इसके बाद विद्यालय के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने टैगोर की दो कहानियों पर आधारित नाट्य प्रस्तुति 'एक रात/अंतिम रात' का मंचन किया।

'एक रात' में बचपन की सहचरी सुरबाला के प्रेम को समय रहते नहीं समझ पाने वाले युवक की कहानी को मंच पर प्रस्तुत किया गया। महत्वाकांक्षा के चलते विवाह का अवसर गंवाने और बाद में प्रेम एवं रिश्ते की वास्तविकता का एहसास होने की कहानी ने दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ा।

आज से 9 सितंबर तक होंगी नाट्य प्रस्तुतियां

टैगोर नाट्य महोत्सव के तहत 7, 8 और 9 सितंबर को वरिष्ठ साहित्यकार संतोष चौबे की तीन कहानियों पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियां होंगी।

भाभा विवि में शिक्षक दिवस का भव्य आयोजन

भोपाल। भाभा विश्वविद्यालय, भोपाल में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं वंदना से हुई। इस दौरान शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शिक्षक दिवस को यादगार बनाया। कार्यक्रम में केक काटने के साथ प्रेरक विचार, प्रेरणादायक कहानियां, शेर-ओ-शायरी, मनमोहक नृत्य और शिक्षकों की विभिन्न प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा और शिक्षक के महत्व को रेखांकित किया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे उन्हें अनुशासन, जीवन-मूल्य, आत्मविश्वास, मेहनत, मानवता और सही निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित करने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में कहा गया कि मां हमारी प्रथम गुरु हैं, जबकि भगवान श्रीराम सत्य, मर्यादा, कर्तव्य और आदर्श जीवन का मार्ग दिखाते हैं।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में मनाया शिक्षक दिवस, पौधे भेंट कर किया सम्मान

भोपाल। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, भोपाल में शिक्षक दिवस का आयोजन उत्साह और गरिमामय वातावरण में किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय प्रबंधन की ओर से एसएन चौकसे, कुलगुरु प्रो. (डॉ.) एनके थापक, रजिस्ट्रार डॉ. अजीत कुमार सोनी एवं मेडिकल कॉलेज के डीन विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों एवं शिक्षकों को पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया। इस पहल के माध्यम से शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

डॉ. एके द्विवेदी बने जर्नल के संपादकीय मंडल के सदस्य

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ होम्योपैथिक केस रिपोर्ट्स में मिली जिम्मेदारी

सच संवाददाता .भोपाल

होम्योपैथी चिकित्सा और शोध के क्षेत्र में मध्य प्रदेश के प्रो. (डॉ.) अश्विनी कुमार द्विवेदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई जिम्मेदारी मिली है। उन्हेंइंटरनेशनल जर्नल ऑफ होम्योपैथिक केस रिपोर्ट्स में 2026 से 2031 तक मिली जिम्मेदारी (आईजेएचसीआर) के संपादकीय मंडल में वर्ष 2026 से 2031 तक के लिए सदस्य नियुक्त किया गया है। डॉ. द्विवेदी वर्ष 2015 से केंद्रीय होम्योपैथी

अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार से जुड़े हुए हैं। इस दौरान वे होम्योपैथी से संबंधित शोध और अकादमिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। जर्नल के संपादकीय मंडल में उनकी नियुक्ति उनके अकादमिक और शोध कार्यों के आधार पर की गई है। नई जिम्मेदारी के तहत वे शोध-पत्रों, समीक्षा लेखों और रोग-प्रकरण रिपोर्टों के मूल्यांकन सहित शोध से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में योगदान देंगे। इसके साथ ही चिकित्सकों और विद्यार्थियों को शोध कार्य के लिए प्रोत्साहित करने की भूमिका भी निभाएंगे। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय मंडल में जिम्मेदारी मिलना व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ मध्य प्रदेश में होम्योपैथी के शोध और अकादमिक गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण है।

सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच समाचार पर। आवेदन के लिए लिंक करें www.buddy4study.com

आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025

- **विवरण:** आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025, पॉलिसी, पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस फाउंडेशन द्वारा अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों को प्रदान किया जा रहा है। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम युवा, उत्साही व्यक्तियों को राजनीतिक और नीति निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का अन्वेषण से अवगत कराता है।
- **मानदंड:** आवेदन अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक अध्ययनरत छात्रों के लिए जारी है। उन्हें स्नातक अध्ययन पूर्ण करने के बाद राजनीतिक या नीति रणनीति परामर्श में करियर बनाने में रुचि होनी चाहिए।
- **इनाम/लाभ:** रुपए 5,000 का मासिक स्टाइपेंड तथा सराहना प्रमाण पत्र।
- **अंतिम तिथि:** पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।
- **आवेदन कैसे करें:** केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- **आवेदन लिंक:.** www.b4s.in/sach/ICPI1
- QR Code: https://dle9eg0t055l3.cloudfront.net/static/images/scho-media/icpc-internship-programme-20251774330906.png

एसओएफ डिफेंस सर्विसेज़ एकेडमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप

- **विवरण:** एसओएफ डिफेंस सर्विसेज़ एकेडमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप 2026-27, साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा कक्षा 1 से 10 तक के छात्रों को प्रदान की जा रही है। इसका उद्देश्य भारतीय रक्षा सेवाओं और आंतरिक सुरक्षा सेवाओं के परिवारों से आने वाले छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों को पुरस्कृत करना है।
- **मानदंड:** भारतीय निवासी कक्षा 1 से 10 में अध्ययनरत छात्र आवेदन कर सकते हैं। वे सेवारत या सेवानिवृत्त रक्षा सेवा/आंतरिक सुरक्षा सेवा कर्मियों के परिवार से संबंधित होने चाहिए।
- **इनाम/लाभ:** रुपए 5,000 का एकमुश्त नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्राप्त होगा।
- **अंतिम तिथि:** 31-12-2026
- **आवेदन कैसे करें:** केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- **आवेदन लिंक:** www.b4s.in/sach/SDSAS7
- QR Code: https://dle9eg0t055l3.cloudfront.net /static/images/scho-media/sof-defence-services-academic-excellence-scholarship-dsas-2026-271784610057.png

नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026

- **विवरण:** नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जा रहा एक अवसर है। यह फेलोशिप यूजीसी-मान्यता प्राप्त संस्थानों में विज्ञान, मानविकी, या सामाजिक विज्ञान संकायों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पात्र छात्रों को प्रत्येक वर्ष 2,000 नई फैलोशिप प्रदान की जाती है।
- **मानदंड:** सम्बंधित राज्य सरकारों द्वारा सूचीबद्ध अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन जारी है। आवेदकों को यूजीसी-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों में पूर्णकालिक, नियमित एम.फिल. या पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, उन्हें राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या स्नातक अभियान्त्रिकी प्रवेश परीक्षा (गेट) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- **इनाम/लाभ:** प्रति माह अधिकतम 35,000 रुपये तथा अन्य लाभ।
- **अंतिम तिथि:** 20-12-2026
- **आवेदन कैसे करें:** यूजीसी-नेट-जेआरएफ या यूजीसी-सीएसआईआर नेट-जेआरएफ परीक्षा के मेरिट आधारित चयन द्वारा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य ।
- **आवेदन लिंक:** www.b4s.in/sach/NFSC1
- QR Code: https://dle9eg0t055l3. cloudfront.net/static/images/scho-media/national-fellowship-scheme-for-scheduled-caste-students-nfsc-20261769489377.png

परिवर्तन ईसीएसएस प्रोग्राम

- **विवरण:** परिवर्तन ईसीएसएस प्रोग्राम 2026-27 एक छात्रवृत्ति पहल है, जिसका उद्देश्य कक्षा 1 से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक के मेधावी और आर्थिक रूप से वंचित छात्रों को सहायता प्रदान करना है।
- **मानदंड:** कक्षा 1 से 12, डिप्लोमा, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, स्नातक (सामान्य और व्यावसायिक), और स्नातकोत्तर (सामान्य और व्यावसायिक) पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों के लिए खुला है।
- नवीनतम योग्यता परीक्षा में न्यूनतम 55₹ अंक आवश्यक हैं।
- सभी स्रोतों से वार्षिक पारिवारिक आय ?2.5 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- केवल भारतीय नागरिकों के लिए जारी है।
- **नोट:** उन आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में किसी व्यक्तिगत या पारिवारिक संकट का सामना किया है, जिसने उनकी पढ़ाई जारी रखने की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया हो।
- **इनाम/लाभ:** शैक्षिक स्तर के आधार पर 5,000 तक की छात्रवृत्ति।
- **अंतिम तिथि:** 30-09-2026
- **आवेदन कैसे करें:** केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- **आवेदन लिंक:** www.b4s.in/sach/HDFC63
- QR Code: https://dle9eg0t055l3.cloudfront.net/static/images/scho-media/parivartan-ecss-programme-2026-271786449527.png

मुस्कान स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2.0

- **विवरण:** मुस्कान स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2.0 (2026-27),वाल्वोलीन कमिंस प्राइवेट लिमिटेड की एक पहल है, जो दक्षिणी, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को सहायता प्रदान करती है। इस स्कॉलरशिप का उद्देश्य व्यावसायिक वाहन चालकों, मैकेनिकों के बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को उनकी शिक्षा जारी रखने में सहायता करना है।
- **मानदंड:** आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड, ओडिशा, पुडुचेरी, सिक्किम, तमिलनाडु और तेलंगाना के कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत छात्र आवेदन के पात्र हैं। एलएमव्ही/एचएमवी चालकों सहित व्यावसायिक वाहन चालकों के बच्चे, मैकेनिकों के बच्चे और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक को पिछली कक्षा में 60₹ या उससे अधिक अंक प्राप्त होना अनिवार्य है। सभी स्रोतों से वार्षिक पारिवारिक आय ?8 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। वाल्वोलीन कमिंस प्राइवेट लिमिटेड (ङ्खष्टक्क) और बड्डी4स्टडी के कर्मचारियों के बच्चे आवेदन के पात्र नहीं हैं।
- **इनाम/लाभ:** चयनित छात्रों को निम्नलिखित छात्रवृत्ति लाभ प्रदान किए जाएंगे। 12,000 तक की छात्रवृत्ति (वास्तविक खर्च के आधार पर) मेंटरशिप सहायता (रोड सेफ्टी पर सत्र)
- **अंतिम तिथि:** 30-09-2026
- **आवेदन कैसे करें:** केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- **आवेदन लिंक** www.b4s.in/sach/MKSP3
- QR Code: https://dle9eg0t055l3.cloudfront.net/static/images/scho-

खेतों में जलभराव से किसानों की चिंता बढ़ी

शाजापुर। लंबे समय से जिले में छाए बादलों ने तीन दिनों तक राहत की बारिश की। इस बारिश से लोगों के चेहरे तो खिले, लेकिन अब किसानों के खिले चेहरे मुरझाने लगे हैं। क्योंकि कई खेतों में जमा पानी फसलों को गला रहा है। जिससे फसलें खराब होने की स्थिति में पहुंच गई है। यदि जल्द ही पानी निकासी नहीं की गई तो पौधे मरणासन्न स्थिति में पहुंच जाएंगे।

दरअसल इस वर्ष भी मानसून ने जिले में देरी से दस्तक दी और अब तक जिले में पर्याप्त वर्षा का अभाव है। जिले की औसत वर्षा 39 इंच है, लेकिन अब तक 28 से 29 इंच वर्षा ही दर्ज हुई है। यही नहीं तीन माह से जारी मानसून के दौरान एक भी बार लगातार झमाझम या तेज वर्षा नहीं हुई है। अब तक जिले भर में केवल रिमझिम वर्षा ही हुई है। जिससे मौसम में ठंडक तो घुली लेकिन जलस्रोत और जलाशयों में भी पर्याप्त पानी का अभाव है। ऐसे में फसलों के लिए ऐसी बारिश पहले ही संकट बनी हुई थी। वहीं तीन दिन से जिले भर में रूक-रूककर हो रही रिमझिम वर्षा भी मुसीबत बनती जा रही है। क्योंकि कई खेत ऐसे हैं जहां पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं है ऐसे खेतों में खड़ी सोयाबीन की फसलें गलने लगी है और यह पानी अब फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. मुकेश सिंह ने भी किसानों को सलाह दी है कि जिन किसानों के खेतों में पानी भरा हुआ है वे उसकी निकासी की व्यवस्था कर दें नहीं तो उन्हें फायदे के बजाए नुकसान उठाना

पड़ सकता है।

जलाशय बने खेत, पीला मोजेक का बढ़ा खतरा

तीन दिन से अधिक समय से हो रही लगातार बारिश का असर खेतों में खड़ी सोयाबीन फसल पर भी दिखाई देने लगा है। किसानों के अनुसार कई खेतों में पानी भर गया है। लगातार पानी जमा रहने से सोयाबीन के पौधों की जड़ों पर असर पड़ने की आशंका है। किसानों को फसल में पीला मोजेक बीमारी फैलने की भी चिंता सता रही है। किसानों का कहना है कि यदि बारिश का दौर इसी तरह जारी रहा और खेतों से पानी की निकासी नहीं हुई तो फसल को नुकसान बढ़ सकता है। किसान दिनेश तिवारी, भेरू लाल मेवाड़ा ने बताया कि इस समय सोयाबीन की फसल खेतों में अच्छी स्थिति में है, लेकिन लगातार बारिश और जलभराव फसल के लिए चिंता का कारण बन रहा है। किसानों की नजर अब मौसम खुलने और खेतों से पानी की निकासी पर टिकी है।

न के बराबर बारिश की संभावना

मौसम विभाग की माने तो अब बारिश की संभावना काफी कम है और आज से मौसम खुलने की भी संभावना है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि 24 घंटे में 18 एमएम वर्षा दर्ज की गई है और अब तक 744 एमएम वर्षा दर्ज की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि अब मौसम खुला रहेगा और शाम-शाम को कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। इससे ज्यादा संभावना अब नजर नहीं आ रही।

शूटिंग अकादमी में दिखी खिलाड़ियों की प्रतिभा

शिवपुरी। श्रीमंत माधवराव सिंधिया खेल परिसर स्थित शूटिंग अकादमी में आयोजित शूटिंग प्रतियोगिता में शिवपुरी के नवांकुर खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और अनुशासन का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में नन्हें निशानेबाजों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया और अपने सटीक निशानों से उपस्थित लोगों को प्रभावित किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भूपेंद्र सिंह रावत, अध्यक्ष लघु उद्योग भारती शिवपुरी एवं पटेल एंड संस, पड़ोरा, उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि छोटी उम्र में बच्चों में खेलों के प्रति यह लगन और अनुशासन उनके उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके बेहतर प्रदर्शन की सराहना की। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष हेमंत ओझा, जिला खेल अधिकारी डॉ के.के.खरे एवं हॉकी कोच वकार रोहिला, हनी जाट सहित शूटिंग कोच याकूब सर भी मौजूद रहे। इस सभी ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और खेलों में निरंतर अभ्यास एवं अनुशासन के महत्व पर जोर दिया।

सच संक्षेप

उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान

भोपाल/मंडीदीप। सिविल अस्पताल मंडीदीप में पदस्थ एमडी मेडिसिन डॉ. पवन सेंगर को डायबिटीज प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य के लिए प्रतिष्ठित एडवांस्ड सर्टिफिकेट कोर्स इन डायबिटीज मैनेजमेंट (सम्मान से नवाजा गया। दो दिवसीय कार्यक्रम के समापन अवसर पर एम्स भोपाल के डायरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. नरेंद्र कोटवाल ने डॉ. सेंगर को प्रमाण-पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का आयोजन मधुमेह संवाद फाउंडेशन द्वारा किया गया। इस अवसर पर हर हेल्थ हॉस्पिटल, भोपाल के प्रसिद्ध डीएम एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. सचिन चित्तवार सहित चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ एवं चिकित्सक मौजूद रहे।

आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास

शिवपुरी। समाजसेवी संस्था भारत विकास परिषद शाखा विवेकानंद द्वारा आयोजित संस्कृति सप्ताह के अंतर्गत चतुर्थ दिवस पर बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लक्ष्मी निवास के पास स्थित हरिओम मोबाइल पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को मोबाइल रिपेयरिंग का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ मोबाइल व्यवसाय एवं दुकानदारी के आवश्यक गुण भी सिखाए गए। लगभग दो माह से संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बच्चों ने मोबाइल रिपेयरिंग की बारीकियां सीखीं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात सभी बच्चे अब अपनी-अपनी मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान शुरू करने के लिए तैयार हैं। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को हुनर प्रदान कर उन्हें रोजगार के लिए सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन संस्कृति सप्ताह के चतुर्थ दिवस पर किया गया। संयोग से आज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व भी है। परिषद के सदस्यों का मानना है कि बच्चों को हुनर देकर उनके जीवन में आत्मनिर्भरता का मार्ग खोलने से बेहतर इस शुभ कार्य के लिए कोई दिन नहीं हो सकता।

प्राचार्य का सम्मान

शिवपुरी। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य और सराहनीय योगदान के लिए, इनर व्हील क्लब द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शहर के पांच उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस गौरवमयी सूची में दून जूनियर स्कूल की प्राचार्या श्रीमती सीमा अरोड़ा का नाम भी शामिल है, जिन्हें बेस्ट एजुकेटर के सम्मान से नवाजा गया है। इसी वर्ष शुरू हुए दून जूनियर स्कूल ने अपने प्रथम वर्ष में ही बेहतरीन संचालन, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और विशिष्ट गतिविधियों के बल पर शिवपुरी शहर में एक अलग और विशिष्ट पहचान बनाई है। इस अल्प समय में मिली बड़ी उपलब्धि का श्रेय प्राचार्या सीमा अरोड़ा के कुशल नेतृत्व को जाता है। अपनी इस उपलब्धि पर श्रीमती सीमा अरोड़ा ने कहा, यह सम्मान मेरे अकेले का नहीं, बल्कि दून स्कूल के संचालक मंडल और मेरे समस्त समर्पित स्टाफ के निरंतर सहयोग का परिणाम है।

कार्यशाला आयोजित

बैतूल। सिकल सेल जैसी गंभीर बीमारी के खिलाफ जागरूकता की मुहिम को बैतूल में नई ताकत मिली। मां शारदा सहायता समिति, आशा कल्प फाउंडेशन भोपाल और ताप्ती आनंद क्लब के संयुक्त आयोजन में कस्तूरी बाग में राज्यस्तरीय सिकल सेल जांच एवं परामर्श शिविर और रक्त क्रांति जागरूकता रैली हुई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने रक्त क्रांति की मशाल थामकर रैली की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि शारदा समिति के सामाजिक सरोकारों से जुड़े आयोजन अनूठे और प्रेरणादायी हैं। एम्स के डॉ. गौरव ढिंगरा और डॉ. संदेश दुबे समेत 16 डॉक्टरों की टीम ने सैकड़ों लोगों की सिकल सेल जांच कर परामर्श दिया। कार्यशाला में करीब 700 लोगों को सिकल सेल बीमारी, बचाव और जागरूकता की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सिकल सेल से पीड़ित मासूमों ने अपनी आपबीती सुनाई तो माहौल भावुक हो गया। इस दौरान 70 से अधिक संस्थाओं को रक्त क्रांति सम्मान-2026 और 60 से अधिक व्यक्तिगत रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया। जेएच कॉलेज में पीएससी की निःशुल्क शिक्षा देने वाले प्रोफेसर सातनकर, गणेश मालवीय, प्रीतम सिंह मरकाम, पंजाबराव गायकवाड़ और सुनील पंडाग्रे सहित 30 शिक्षकों को शिक्षक गौरव सम्मान दिया गया।

सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान

शिवपुरी/बैराड़। तहसील बैराड़ में यादव समाज द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के दूसरे दिन आयोजित इस शोभायात्रा में समाजजनों सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शोभायात्रा का शुभारंभ सिद्ध आश्रम से हुआ। विभिन्न मार्गों से होती हुई शोभायात्रा विराटनगर बैराड़ पहुंची, जहां श्रद्धालुओं और समाजजनों ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों के साथ उत्साह और उमंग का प्रदर्शन किया। शोभायात्रा में धार्मिक झांकियां एवं भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े विभिन्न स्वरूप आकर्षण का केंद्र रहे। पूरे मार्ग में वातावरण भक्तिमय नजर आया। अंत में शोभायात्रा पुनः सिद्ध आश्रम पहुंचकर संपन्न हुई।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय विधायक महेंद्र यादव ने यादव समाज के सेवानिवृत्त शिक्षकों का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने समाज और शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों द्वारा दिए गए योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक समाज को दिशा देने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं और उनका सम्मान करना पूरे समाज का दायित्व है। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित इस भव्य शोभायात्रा को लेकर यादव समाज और क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम ने समाज में एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का संदेश दिया।

घर-घर पहुंचा राशन

शिवपुरी-कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देशों के परिपालन में कोलारस अनुभाग में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़, पारदर्शी एवं सुचारू बनाने के उद्देश्य से व्यापक कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर श्री वर्मा ने स्पष्ट किया है कि पात्र हितग्राहियों तक खाद्यान्न की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर पाई जाने वाली अनियमितता पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्यान्न वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के कड़े निर्देशों के तहत शासकीय उचित मूल्य दुकान उन्हाई के विक्रेता गोपाल जाटव पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई की गई है। विक्रेता द्वारा ग्रामीणों को राशन वितरण न किए जाने तथा स्थल पर भौतिक सत्यापन के दौरान दुकान पर खाद्यान्न उपलब्ध न पाए जाने को गंभीरता से लिया गया है।

एक माह में संग्रहित हुआ 1,235 यूनिट रक्त

बैतूल। जिले में स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन और ब्लड बैंक की योजनाबद्ध पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अगस्त 2026 में जिले में कुल 1,235 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।

इसमें विभिन्न स्थानों पर आयोजित 13 रक्तदान शिविरों से 942 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। रक्तदान की इस व्यवस्था को मजबूत बनाने में कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे की पहल और ब्लड बैंक ऑफिसर डॉ अंकिता सीते की सक्रिय भूमिका महत्वपूर्ण रही है। रक्तदान शिविरों की कार्ययोजना कलेक्टर के समक्ष रखे जाने के बाद उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए गतिविधियों को योजनाबद्ध और निरंतर रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। इसके बाद जिले में शिविरों का क्रम बढ़ा और स्वैच्छिक रक्तदान को लेकर लोगों को जागरूक करने के प्रयास भी तेज हुए।

शिविरों से 942 यूनिट, कुल संग्रह 1,235 यूनिट

अगस्त में आयोजित रक्तांजलि सहित 13 रक्तदान शिविरों से जहां 942 यूनिट रक्त प्राप्त हुआ, वहीं ब्लड बैंक सहित अन्य माध्यमों से हुए, रक्तदान को मिलाकर महीने का कुल संग्रह 1,235 यूनिट तक पहुंच गया। खास बात यह है कि अब लोग केवल शिविर या आपातकालीन अपील का इंतजार नहीं कर रहे हैं, बल्कि स्वयं ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान कर रहे हैं। जन्मदिन और अन्य विशेष अवसरों पर रक्तदान करने की प्रवृत्ति भी बढ़ रही है।

रक्त संग्रह बढ़ने का सीधा लाभ जरूरतमंद मरीजों को मिला। अगस्त माह में ब्लड बैंक द्वारा 80 सिकल सेल मरीजों और 43 थैलेसीमिया मरीजों को रक्त उपलब्ध कराया गया। इसके साथ ही 102 एएनसी यानी गर्भवती महिलाओं को बिना एक्सचेंज और निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया गया।

अनियंत्रित होकर पुलिया में घुसी स्लीपर बस

शाजापुर। गुना से इंदौर जा रही स्लीपर बस तेज रफ्तार के कारण मझानिया जोड़ के पास स्थित पुलिया में जा घुसी। जिससे बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जिसमें चालक व क्लीनर बुरी तरह फंस गए। वहीं बस में सवार 32 यात्री भी घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार पाटीदार ट्रैवल्स की स्लीपर बस गुना से इंदौर की ओर जा रही थी। शाजापुर बायपास पर दुकराना जोड़ के पास अचानक बस अनियंत्रित हो गई और रोड पर बनी पुलिया से टकरा गई।

हिंदू उत्सव समिति की कार्यकारिणी गठित

बेगमगंज नगर के राम राजा पैलेस अर्चना गार्डन में रविवार शाम 4 बजे श्री सियावास हिंदू उत्सव समिति की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के बीच कार्यक्रम के समय मौसम खुलने से आयोजन निर्धारित समय पर शुरू हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना के साथ हुई। समिति से जुड़े पदाधिकारियों और सदस्यों में नई कार्यकारिणी को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

बैठक में श्री सियावास हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष सचिन नेमा ने आगामी वर्ष के लिए नई कार्यकारिणी के गठन की घोषणा की। नई कार्यकारिणी में संगठन के विभिन्न दायित्वों के लिए बड़ी संख्या में सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इसमें महामंत्री पद पर राजेंद्र सोलंकी एवं लोकेंद्र लोधी, जबकि कोषाध्यक्ष पद पर अभिषेक निखरा एवं मनोज सोनी को जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा करीब 24 उपाध्यक्ष तथा 50 मंत्री एवं संगठन मंत्रियों सहित परामर्शदात्री मंडल, विधिक सलाहकार और अन्य दायित्वों के लिए कुल 300 से अधिक सदस्यों को कार्यकारिणी में शामिल किया गया।

समिति अध्यक्ष सचिन नेमा ने कहा कि श्री सियावास हिंदू उत्सव समिति का मुख्य उद्देश्य नगर में धार्मिक उत्सवों का भव्य और व्यवस्थित आयोजन करना तथा समाज में सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक वातावरण को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि नई कार्यकारिणी में शामिल प्रत्येक सदस्य को जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका निर्वहन निष्ठा, के साथ किया जाना चाहिए।

विजेताओं को मिलेगा ईनाम

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग अंतर्गत उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी की ओर से महान पार्श्व गायिका लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता (संभाग स्तरीय) का आयोजन 10 सितंबर 2026 को शहडोल में किया जाएगा। प्रतियोगिता में शहडोल संभाग के गीत एवं संगीत के क्षेत्र में रुचि रखने वाले प्रतिभागी निर्धारित आयु एवं नियमों के अनुसार भाग ले सकेंगे।

प्रतियोगिता का आयोजन महिला मंडल सभागार, शहडोल में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक किया जाएगा। प्रतियोगिता दो वर्गों कनिष्ठ एवं वरिष्ठ में आयोजित होगी। आयु निर्धारण की तिथि 1 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। कनिष्ठ वर्ग में 8 से 15 वर्ष तथा वरिष्ठ वर्ग में 16 से 25 वर्ष आयु के प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के दोनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 10 हजार, 5 हजार एवं 3 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की तिथि की जानकारी चयनित प्रतिभागियों को समय रहते दी जाएगी। राज्य स्तर पर वरिष्ठ वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 25 हजार, 20 हजार एवं 15 हजार रुपये, जबकि कनिष्ठ वर्ग में 21 हजार, 15 हजार एवं 10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

सुपोषण अभियान का किया शुभारंभ

शिवपुरी। सेवा भारती शिवपुरी द्वारा सुपोषण भारत अभियान के अंतर्गत आज विद्यापीठ में अभियान के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शिवपुरी डॉ. संजय ऋषिश्वर, विशिष्ट अतिथि विद्यालय प्रबंधक पवन शर्मा तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा भारती जिला उपाध्यक्ष शैलेश विरमानी ने की। इस अवसर पर ओम बंसल सहित सेवा भारती एवं विद्यालय परिवार के अनेक कार्यकर्ता एवं शिक्षक बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात सेवा भारती शिवपुरी के विभाग समन्वयक अर्जुन सिंह दांगी द्वारा उपस्थित अतिथियों का परिचय कराया गया। अतिथियों का स्वागत सेवा भारती छात्रावास के पूर्व छात्र राम कुमार आदिवासी एवं सहायक अधीक्षक अनुज मुद्गल द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. संजय ऋषिश्वर ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए हम सभी को अपने आहार को व्यवस्थित एवं संतुलित रूप से लेने की आवश्यकता है। भोजन के साथ व्यक्तिगत स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना भी आवश्यक है, जिससे अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे भोजन में विभिन्न रंगों की मौसमी सब्जियों एवं फलों को शामिल करना चाहिए, ताकि शरीर को आवश्यक विटामिन एवं पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में प्राप्त हो सकें। डॉ. ऋषिश्वर ने कहा कि सेवा भारती एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से सुपोषण भारत अभियान को व्यापक एवं प्रभावी स्तर पर संचालित करने के लिए सभी मिलकर कार्य करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शैलेश विरमानी ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सेवा भारती जिला सह सचिव उत्तम सिंह कुशवाहा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य लोकेन्द्र मेवाड़ा, विद्यालय के सह-प्रबंधक जितेन्द्र परसाई, शिक्षक बंधु एवं सेवा भारती के कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मंडीदीप में भव्य शोभायात्रा 13 को

मंडीदीप। श्री बाबा रामदेव जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में श्री बाबा रामदेव जी सेवा समिति द्वारा 13 सितंबर, रविवार को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर समिति द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। समिति के अनुसार जन्मोत्सव के अवसर पर सुबह 11 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद शाम 7 बजे भंडारा (महाप्रसादी) आयोजित होगा। रात 9 बजे से विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु भजनों के माध्यम से बाबा रामदेव जी की आराधना करेंगे। वहीं रात 12 बजे महाआरती एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा।

कार्यक्रम श्री बाबा रामदेव जी मंदिर प्रांगण, खिड़िया पुरा, वार्ड क्रमांक-2, मंडीदीप में आयोजित होगा। समिति ने श्रद्धालुओं से परिवार सहित कार्यक्रम में शामिल होकर धार्मिक आयोजन को सफल बनाने और पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

जन परिषद ने किया सम्मान

आष्टा चेप्टर द्वारा भोपाल से देवास प्रवास के दौरान आयोजित विशेष बैठक में राष्ट्रीय संयोजक रामजी श्रीवास्तव, मिसेज यूनिवर्स टाइटेनिक तृप्ती शिंदे, सागर से एडवोकेट राष्ट्रीय सचिव अंकेश्वर दुबे, श्रीमती सरला, प्रांतीय सचिव नितिन, बैतूल के वरिष्ठ पत्रकार अग्निहोत्री जी सहित अतिथियों का स्वागत पत्रकारों में अब्दुल रऊफ खान,आष्टा परिषद के उपाध्यक्ष राजेश सुराना,प्रेस क्लब अध्यक्ष बाबू पांचाल,वरिष्ठ पत्रकार जहूर मंसूरी, राकेश बैरागी,शैलेश शर्मा, इसराइल मंसूरी, श्रीमल मेवाड़ा, पूर्व पत्रकार साथी सादिक भाई, आदि ने किया, अग्रणी संस्था जन परिषद के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय संयोजक रामजी श्रीवास्तव, बताया की अंकेश्वर दुबे जी राष्ट्रीय सचिव हैं वे चौथी बार सागर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बनाये गए हैं, बेतुल के वरिष्ठ पत्रकार के. के. अग्निहोत्री जी,एंव प्रांतीय सचिव नितिन श्रीवास्तव वर्षो से परिषद से जुड़े हैं,श्रीमती सरला जी का सहयोग हमेशा रहा है,उपरोक्त सभी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में स्थानीय पत्रकारों माला पहना कर सम्मानित किया गया, सुबह 11 बजे आष्टा के सुराना पैलेस में रूककर उन्होंने जन परिषद आष्टा चैप्टर के सदस्यों और पदाधिकारियों से मुलाकात एवं संस्थागत चर्चा के पश्चात् राष्ट्रीय संयोजक ने आष्टा के पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा की नगर के सम्मानीय पत्रकार मिडिया कवरेज की धृष्टि से हमेंशा अग्रणी रहते हैं, उन्होंने पत्रकारों के सवाल के जवाब में कहा की जन परिषद सामाजिक बोद्धिक एंव समाज में निस्वार्थ भाव से काम करने वालों को सम्मानित किया जाता है, सस्था द्वारा कई ग्रंथो का विमोचन भी किया गया है, जन परिषद की विगत 37 वर्षो की यात्रा एक पौधे से आज वही एक वृक्ष बन गई है आज भारत में संस्था के तीन सौ से अधिक चेप्टर बन चुके हैं ।

करंट से भैंस की मौत

शाजापुर। जिले के ग्राम जावदी में बिजली विभाग की लापरवाही सामने आई है। जब एक पोल से लगी तान में अचानक करंट फैल गया, जिसकी चपेट में आने से एक भैंस की मौत हो गई। गनीमत रही कि कोई व्यक्ति करंट की चपेट में नहीं आया अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। घटना रविवार सुबह की बताई गई है। जब ग्राम जावदी निवासी राजपाल सिंह के पिता अपनी भैंस को घर से खेत की ओर ले जा रहे थे। तभी घर के बाहर बिजली के खंभे से लगी तान में करंट फैल गया और भैंस की मौके पर ही मौत हो गई। आरोप है कि बिजली विभाग को फोन कर सूचना देने की कोशिश की गई, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया।

समस्याओं को लेकर सीएमओ से करेंगे भेंट

सिलवानी । नगर के विकास के लिए संघर्षरत क्षेत्रीय विकास परिषद द्वारा बैठक का आयोजन आरडीएसएस संस्था में रविवार को शाम के समय किया गया। बैठक में मौजूद सदस्यों ने नगर विकास के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में संगठन का सदस्यता अभियान चलाने, अधिक से अधिक संख्या में सदस्यों को जोड़ने सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा संपन्न हुई। नगर की मूलभूत समस्याओं को लेकर रणनीति भी तय की गई।

बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए संगठन अध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि नगर की सड़कों, चौक-चौराहों और गलियों तक में आवारा मवेशियों ने अपना डेरा जमा रखा है, जिससे यातायात प्रभावित होता है और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। इस समस्या के समाधान के लिए नगर परिषद को आवेदन देने का निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त नगर में जगह-जगह क्षतिग्रस्त सड़कों और नालियों की मरम्मत कराने तथा आवश्यकता के अनुसार नगर के विभिन्न वार्डों में नई सड़कों और नालियों के निर्माण की मांग को लेकर संगठन का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही नगर परिषद अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी से मिलेगा। यहां पर नगर व क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर भी बैठक में गहन चर्चा की गई। बैठक में प्रजा सेवक जैन, चंद्रकुमार जैन, मुन्ना भाई मैकेनिक, एडवोकेट आलोक श्रीवास्तव, सुनील बैघराज, आरके जैन, संजय मस्ताना, मिलन जैन, धर्मेश जैन, राकेश श्रीवास्तव, आशीष सिंघई आदि मौजूद रहे।

फसल बीमा न मिलने से नाराजगी

शाजापुर। कलेक्टर कार्यालय के सामने धरने पर बैठे किसान सोमवार को भी विरोध प्रदर्शन करते रहे। इस दिन किसानों ने बीमा कंपनी की शवयात्रा निकालकर अपनी बीमा राशि की मांग की। इस दौरान किसानों ने जमकर नारे भी लगाए।

खरीफ 2025 का फसल बीमा भुगतान न मिलने से किसान नाराज हैं। उन्होंने बीमा कंपनी के खिलाफ अनोखे तरीके से प्रदर्शन किया। भारतीय किसान संघ के बैनर तले किसान पिछले सात दिनों से कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे हैं। मांगों पर सुनवाई न होने से गुस्साए किसानों ने बीमा कंपनी की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकाली। इस दौरान उन्होंने जमकर नारे भी लगाए। यह शवयात्रा टंकी चौराहा स्थित कृषि उपज मंडी से शुरू हुई और कलेक्ट्रेट कार्यालय लालघाटी पहुंची। किसान बीमा कंपनी के खिलाफ नारे लगाते हुए आगे बढ़े। ट्रैफिक पाइंट के सामने किसानों ने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया। इसके बाद कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर पहुंचकर बीमा कंपनी का पुतला जलाया।

किसानों का कहना है कि खरीफ 2025 का फसल बीमा भुगतान अब तक नहीं मिला है। इससे उन्हें आर्थिक दिक्कतें हो रही हैं। किसानों ने आरोप लगाया कि बीमा कंपनी की लापरवाही से उन्हें अपने हक की राशि के लिए आंदोलन करना पड़ रहा है। सात दिन से धरना देने के बावजूद कोई हल नहीं निकला, जिसके बाद किसानों ने यह प्रदर्शन किया।

भागवत कथा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

शिवपुरी। शहर के झांसी रोड स्थित बांकड़े हनुमान मंदिर पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन भगवान श्रीकृष्ण की मनोहारी बाल लीलाओं के साथ गोवर्धन पूजा का उत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। बारिश के बीच भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा स्थल पर पहुंचे और भक्ति रस में सराबोर नजर आए। कथा यजमान श्रीमती आशा-हरिशंकर अग्रवाल ठेड़्या परिवार हैं। परिवार की ओर से हरिशंकर, रवि शंकर, मुकेश एवं अशोक अग्रवाल सहित मुख्य संयोजक अजीत अग्रवाल ठेड़्या कथा आयोजन की व्यवस्थाओं में जुटे रहे। व्यासपीठ से भागवत कथा आचार्य डॉ. गिरीश जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान की बाल लीलाएं केवल मनोरंजन का विषय नहीं, बल्कि इनमें जीवन को प्रेम, सरलता, करुणा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा छिपी हुई है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का श्रवण करने से मनुष्य के भीतर भक्ति और सकारात्मक भाव का संचार होता है। इस दौरान आचार्य श्री ने श्रीकृष्ण बाल-लीलाओं के साथ गोवर्धन पूजा के प्रसंग का भी वर्णन श्रवण कराते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को प्रकृति और गोवर्धन पर्वत के महत्व का संदेश दिया। उन्होंने समझाया कि मनुष्य को प्रकृति के प्रति कृतज्ञ रहना चाहिए और पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधनों का सम्मान करना चाहिए।

भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा अंगुली पर धारण करने का प्रसंग सुनाते हुए आचार्य श्री ने कहा कि जब भक्त सच्चे मन से भगवान की शरण में आता है, तो भगवान स्वयं उसकी रक्षा का दायित्व अपने ऊपर ले लेते हैं। बाहर बारिश का दौर जारी रहने के बावजूद धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं दिखाई दी। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष विष्णु गुप्ता (पिपरघार वाले), रामजीलाल बंसल, निर्मल गुप्ता, पार्षद गौरव सिंघल, घनश्याम गुप्ता (तिघरी वाले), विकास गोयल पूर्व महामंत्री अग्रवाल समाज, राजू गोयल, पूर्व पार्षद गणेश गुप्ता, सुनील गर्ग मामू सहित नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

शोभा यात्रा का किया स्वागत

शिवपुरी। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी राजा दक्ष प्रजापति जयंती के अवसर पर प्रजापति समाज द्वारा शिवपुरी में आज 7 सितंबर सोमवार को महाराज दक्ष की भव्य शोभायात्रा का आयोजन जिला मुख्यालय पर किया जा रहा है। जिसमें शोभा यात्रा के समापन पर गांधी पार्क मानस भवन में प्रजापति समाज द्वारा की मेधावी छात्र छात्राएं जिन्होंने वर्ष 2026 में 75 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किया है उन सभी प्रतिभाओं को मंच से अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया जाएगा। प्रतिभा सम्मान और इस भव्य शोभायात्रा को लेकर समाजजनों में खासा उत्साह है। आयोजन में प्रजापति समाज की प्रतिभा एवं स्वतंत्र राज्य मंत्री दर्जाधारी प्रजापति सहित समाज के रूप के हमीरपुर से विधायक मनोज प्रजापति, मप्र के रीवा से विधायक नरेंद्र प्रजापति, पूर्व विधायक चंदला राजेश प्रजापति, काशी बाबा ट्रस्ट अध्यक्ष ग्वालियर प्रहलाद प्रजापति एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है।

पॉलिटेक्निक चौराहे से हमीदिया अस्पताल तक ट्रैफिक प्रभावित, एंबुलेंस भी जाम में फंसी, ओपीडी-ओटी का बहिष्कार, इमरजेंसी सेवाएं जारी

आज और उग्र हुआ इंटर्न डॉक्टरों का आंदोलन, सड़कों पर उतरे डॉक्टर, हमीदिया तक लगा लंबा जाम

सच संवाददाता ॥ भोपाल

स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर इंटर्न डॉक्टरों का आंदोलन मंगलवार को और उग्र हो गया। रातभर सड़कों पर डटे डॉक्टर सुबह भी प्रदर्शन करते रहे। डॉक्टरों के सड़क पर बैठने के कारण पॉलिटेक्निक चौराहे से हमीदिया अस्पताल तक लंबा जाम लग गया। इस दौरान मरीजों को लेकर अस्पताल पहुंच रही एंबुलेंस भी जाम में फंस गईं। नर्मदापुरम से मरीज विनोद को लेकर भोपाल पहुंची एंबुलेंस भी जाम में फंस गई। एंबुलेंस में मरीज होने के बावजूद रास्ता समय पर साफ नहीं हो सका, जिससे मरीज और उसके परिजन परेशान होते रहे। प्रदर्शन के कारण हमीदिया अस्पताल पहुंचने वाले अन्य मरीजों और उनके परिजनों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। इंटर्न डॉक्टरों के आंदोलन का असर हमीदिया अस्पताल की नियमित चिकित्सा व्यवस्था पर भी पड़ा है। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने नियमित ओपीडी और निर्धारित ऑपरेशन का बहिष्कार किया। हालांकि कुछ डॉक्टर ओपीडी में सेवाएं देते नजर आए, लेकिन बड़ी संख्या में जूनियर डॉक्टरों के प्रदर्शन में शामिल होने से अस्पताल की सामान्य व्यवस्था प्रभावित हुई। वहीं अस्पताल प्रबंधन की ओर से आपातकालीन सेवाएं जारी रखी गई हैं। गंभीर मरीजों को इमरजेंसी में उपचार दिया जा रहा है, ताकि जरूरी चिकित्सा सेवाएं प्रभावित न हों। इंटर्न डॉक्टरों का आंदोलन अब सिर्फ स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग तक सीमित नहीं रह गया है। मुख्यमंत्री निवास की ओर मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई के बाद डॉक्टरों ने घायल साथियों को मुआवजा, लाठीचार्ज के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई और पुलिस से माफी की मांग भी उठा दी है। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों का कहना है कि वे करीब दो महीने से अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। उनका आरोप है कि प्रशासनिक अधिकारियों और मंत्रियों से मुलाकात की कोशिशों के बावजूद अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इंटर्न डॉक्टरों के आंदोलन को मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन का भी समर्थन मिला है। एसोसिएशन भोपाल के सचिव डॉ. अविनाश ठाकुर ने कहा कि प्रदेशभर के इंटर्न डॉक्टर लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं।उन्होंने मुख्यमंत्री निवास तक मार्च के दौरान छात्रों पर वॉटर कैनन और लाठीचार्ज किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि एमबीबीएस कर रहे छात्रों के साथ इस तरह बल प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश का चिकित्सक समुदाय इंटर्न डॉक्टरों के साथ खड़ा है। मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि इंटर्न डॉक्टरों की मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया और घायल डॉक्टरों को मुआवजा नहीं मिला, तो आंदोलन का दायरा और बढ़ सकता है। ऐसे में आने वाले दिनों में राजधानी की चिकित्सा व्यवस्था पर आंदोलन का असर और बढ़ने की आशंका है।

लिव-इन में रखकर किया शारीरिक शोषण सेवानिवृत्ति के बाद छोड़ा

सीआईएसएफ के पूर्व प्रधान आरक्षक के खिलाफ प्रकरण दर्ज

सच संवाददाता ॥ भोपाल

फेसबुक पर दोस्ती होने के बाद महिला की नजदीकियां सीआईएसएफ के रिटायर्ड हेड कांस्टेबल से बढ़ गईं। बाद में दोनों लिव-इन रिलेशन में रहने लगे। इस दौरान वह उसका शारीरिक शोषण भी करता रहा। करीब पांच साल उसने महिला और उसके बच्चों को छोड़ दिया। महिला ने मामले की शिकायत छोला मंदिर थाने में की थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 35 साल की महिला रायसेन जिले की रहने वाली है। उसका पति लखेरापुरा में प्राइवेट काम करता था। इसी दौरान महिला की दोस्ती फेसबुक पर अनिरूद्धपुरी गोस्वामी से हो गई। उस समय अनिरूद्धपुरी गोस्वामी सीआईएसएफ में प्रधान आरक्षक था। फेसबुक पर दोस्ती के बाद वह महिला से मिलने जुलने लगा। इसी बीच उसने महिला के कुछ फोटो अपने मोबाइल पर ले लिए। उक्त फोटो उसने महिला के पति को दिखाए और महिला को साथ रखने और शादी करने का दबाव बनाने लगा। डर के कारण महिला और उसका पति रायसेन के थाने में पहुंचे।

यह बात आरोपी को पता चली तो वह भी थाने पहुंच गया। उसने कहा कि यह बच्चे मेरे हैं और महिला से मैं शादी कर अपने साथ रखना चाहता हूं। थाने में महिला दबाव और डर के कारण शिकायत नहीं कर सकी। इधर, आरोपी महिला को लेकर भोपाल आ गया और उसके साथ रहने लगा। रिटायर्ड होने के बाद आरोपी ने महिला और उसके बच्चों को छोड़ दिया। वह कहने लगा कि अब मैं रिटायर्ड हो गया हूं। मेरा कुछ नहीं कर सकोगी। आरोपी पीड़िता से उसके जेवर भी साथ लेकर गया है। महिला ने मामले की शिकायत छोला मंदिर थाने में की। पुलिस ने दुष्कर्म व अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आयुष्मान योजना में 1 अक्टूबर से बड़ा बदलाव, एनएबीएच बिना इलाज पर लग सकता है ब्रेक

सच संवाददाता ॥ भोपाल

आयुष्मान भारत योजना से जुड़े मरीजों और निजी अस्पतालों के लिए 1 अक्टूबर से नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। सरकार ने योजना के तहत इलाज की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अस्पतालों के लिए एनएबीएच की मान्यता के मानक सख्त करने की तैयारी की है। नए नियम लागू होने के बाद प्रदेश के चार बड़े मेट्रो शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में आयुष्मान योजना के तहत इलाज के लिए अस्पतालों को निर्धारित एनएबीएचमानकों को पूरा करना होगा। अब तक कई अस्पताल एंट्री लेवलएनएबीएचके आधार पर आयुष्मान योजना के पैकेज संचालित कर रहे थे। ऐसे अस्पतालों को सरकार की ओर से फुलएनएबीएच हासिल करने के लिए छह महीने की छूट दी गई थी। यह अवधि 30 सितंबर 2026 को समाप्त हो रही है। नए प्रावधानों के अनुसार मेडिसिन पैकेज के लिए फुल एनएबीएच अनिवार्य होगा। वहीं अन्य पैकेज के लिए कम से कम एंट्री लेवल एनएबीएच जरूरी रहेगा।

शुरुआती जांच में 1 करोड़ से ज्यादा की टैक्स चोरी का खुलासा, बिलिंग में गड़बड़ी के आरोप, सीजीएसटी टीम ने पांचों प्रतिष्ठानों को किया सील

भोपाल में जीएसटी का बड़ा एक्शन, जिम 365 डिग्री के 5 ठिकानों पर छापा

सच संवाददाता ॥ भोपाल

राजधानी भोपाल में सेंट्रल जीएसटी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जिम 365 डिग्री से जुड़े पांच प्रतिष्ठानों पर एक साथ छापेमारी की। विभाग की अलग-अलग टीमों ने चूनाभट्टी, कोहेफिजा, बावड़िया कलां, सिंधी कॉलोनी और जेके रोड स्थित जिम परिसरों में पहुंचकर दस्तावेजों, बिलिंग और लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच की। प्रारंभिक जांच में एक करोड़ रुपये से अधिक की टैक्स चोरी सामने आने की बात कही जा रही है। कार्रवाई के दौरान विभाग की टीमों ने सभी पांच जिम प्रतिष्ठानों को सील कर दिया। सीजीएसटी अधिकारियों के मुताबिक जांच के दौरान जिम में आने वाले ग्राहकों को सेवाओं के बदले बिल जारी नहीं किए जाने की जानकारी सामने आई। विभाग को आशंका है कि बिलिंग नहीं करने के जरिए जिम से होने वाली वास्तविक आय को कम दिखाया गया और इसी आधार पर टैक्स देनदारी से बचने का प्रयास किया गया। टीम ने जिम से जुड़े दस्तावेजों और वित्तीय लेनदेन के रिकॉर्ड को खंगाला है। जांच में सामने आए रिकॉर्ड के आधार पर टैक्स देनदारी का विस्तृत आकलन किया जा रहा है।

5 प्रतिशत जीएसटी जमा नहीं करने की जांच

अधिकारियों के अनुसार जांच में सितंबर 2025 के बाद जिम एवं संबंधित सेवाओं पर लागू जीएसटी प्रावधानों को भी जांच के दायरे में रखा गया। विभाग के मुताबिक इन सेवाओं में इनपुट टैक्स क्रेडिट की सुविधा समाप्त होने के बाद 5 प्रतिशत जीएसटीजमा किया जाना था। आरोप है कि संबंधित जिम संचालक की ओर से निर्धारितजीएसटी का पूरा भुगतान नहीं किया गया। इससे पहले इन सेवाओं पर 18 प्रतिशतजीएसटी लागू था। विभाग अब अलग-अलग अवधि के लेनदेन और टैक्स भुगतान का मिलान कर वास्तविक देनदारी का आकलन कर रहा है।

रिकॉर्ड और लेनदेन की जांच जारी

छापे के दौरान अधिकारियों ने जिम की सदस्यता, ग्राहकों से प्राप्त भुगतान, बिलिंग रिकॉर्ड और अन्य वित्तीय दस्तावेजों की जांच की। विभाग यह भी देख रहा है कि जिम से होने वाली कुल आय और घोषित कारोबार में कितना अंतर है।प्रारंभिक जांच में सामने आई एक करोड़ रुपये से अधिक की टैक्स चोरी के आंकड़े के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। अंतिम टैक्स देनदारी विस्तृत जांच पूरी होने के बाद स्पष्ट होगी।

सारंगपुर में किराना कारोबारियों पर भी सीजीएसटी की नजर

इधर, स्टेट जीएसटी भोपाल की टीम ने राजगढ़ जिले के सारंगपुर में भी कार्रवाई की। टीम ने बड़े किराना कारोबारियों के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर बिलिंग, बिक्री और जीएसटी से जुड़े दस्तावेजों की जांच की। कार्रवाई की सूचना मिलते ही कुछ दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर वहां से चले गए, जबकि कुछ प्रतिष्ठानों पर संचालक मौजूद नहीं मिले। टीम ने संबंधित दुकानों के कारोबार और जीएसटी रिकॉर्ड की जांच शुरू कर दी है। भोपाल में जिम कारोबार से लेकर सारंगपुर के किराना कारोबार तक हुई इन कार्रवाइयों से साफ है कि जीएसटी विभाग बिलिंग और टैक्स भुगतान में गड़बड़ी की शिकायतों पर निगरानी बढ़ा रहा है। हालांकि जिम 365 डिग्री मामले में टैक्स चोरी की अंतिम राशि और आगे की कार्रवाई विस्तृत जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

पितृपक्ष में स्पेशल ट्रेनें बढ़ाएंगी सुविधा, भोपाल-जबलपुर से गया के लिए 12 सेवाएं

भोपाल। पितृपक्ष के दौरान बिहार के गयाजी में तर्पण और पिंडदान के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेल ने विशेष ट्रेनों का संचालन करने का निर्णय लिया है। यात्रियों की सुविधा और नियमित ट्रेनों में बढ़ती वेटिंग को देखते हुए रानी कमलापति-गया-रानी कमलापति और जबलपुर - गया- जबलपुर के बीच कुल 12 पितृपक्ष स्पेशल सेवाएं संचालित की जाएंगी। रेल प्रशासन के अनुसार इन सभी स्पेशल ट्रेनों में एसी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे। इससे भोपाल और महाकौशल अंचल के श्रद्धालुओं को गयाजी पहुंचने के लिए अतिरिक्त यात्रा विकल्प मिलेगा। गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापति से गया के लिए 27 सितंबर, 2 अक्टूबर और 7 अक्टूबर 2026 को चलेगी। ट्रेन दोपहर 3.20 बजे रानी कमलापति से रवाना होकर अगले दिन दोपहर 2.30 बजे गया पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01662 गया से रानी कमलापति के लिए 30 सितंबर, 5 अक्टूबर और 10 अक्टूबर को संचालित होगी। यह ट्रेन गया से दोपहर 3.30 बजे रवाना होकर अगले दिन शाम 4.15 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी।

पूर्व जनसंपर्क अधिकारी ताहिर अली सम्मानित

सच संवाददाता ॥ भोपाल

जनसंपर्क एवं मीडिया के क्षेत्र में अपने दीर्घ अनुभव और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक एवं वर्तमान में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल के मीडिया सलाहकार के रूप में सेवाएं दे रहे द्य श्री ताहिर अली को प्रतिष्ठित 13 वें 'विनय उजाला राष्ट्रीय गौरव सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। इंदौर में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में प्रसिद्ध अभिनेत्री श्रीमती पद्मिनी कोल्हापुरे ने श्री ताहिर अली को सम्मान एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विशिष्ट हस्तियों को समारोह में सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि श्री ताहिर अली ने अपने संवर्ग के क्षेत्र विशेष में दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के साथ-साथ शिक्षा, समाजसेवा एवं अन्य सामाजिक क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट योगदान दिया है। उनकी कर्मनिष्ठा, सेवाभाव और दायित्व-बोध को अनुकरणीय एवं प्रशंसनीय बताते हुए उनके योगदान की सराहना की गई। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए 12 अलग-अलग विधाओं में प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सिने स्टार श्रीमती पद्मिनी कोल्हापुरे, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री नंदलाल यादव, नगर निगम उज्जैन की सभापति श्रीमती कलावती यादव, समूह संपादिका श्रीमती शोभना मिश्रा, विनय उजाला के एमडी डॉ. वी.के. मिश्रा तथा प्रेस क्लब उज्जैन के कार्यकारी अध्यक्ष श्री विशाल हाड़ा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। सम्मान समारोह में प्रशासन, समाजसेवा, शिक्षा, उच्च शिक्षा, खेल, पर्यावरण संरक्षण एवं कल्याण, सामाजिक कल्याण तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों (गायन आदि) सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। श्री ताहिर अली ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क केवल सूचना के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं, बल्कि शासन और समाज के बीच विश्वास का सेतु है। उन्होंने अपने सेवाकाल में मिले सहयोग और मार्गदर्शन के लिए सभी सहकर्मियों एवं शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया।साथ ही विनय उजाला की पूरी टीम को सादर धन्यवाद,आप लोगो ने बड़ी आत्मीयता के साथ सभी को सम्मानित किया।

भोपाल पुलिस लाइन में अब नहीं चलेगी आरामदायक पोस्टिंग, 44 पुलिसकर्मियों को मिली केस डायरी

सच संवाददाता ॥ भोपाल

भोपाल पुलिस लाइन में पदस्थ पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव किया गया है। पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने पुलिस लाइन को महज अटैचमेंट या अपेक्षाकृत कम जिम्मेदारी वाली पोस्टिंग मानने की धारणा बदलने की दिशा में कदम उठाया है। अब पुलिस लाइन में पदस्थ प्रधान आरक्षक से लेकर निरीक्षक स्तर तक के अधिकारी-कर्मचारी सक्रिय पुलिसिंग का हिस्सा बनेंगे। नई व्यवस्था के तहत पुलिस लाइन में पदस्थ 44 अधिकारी-कर्मचारियों को थानों में लंबित मामलों की केस डायरी सौंपकर विवेचना की जिम्मेदारी दी गई है। इनमें विशेष रूप से धोखाधड़ी से जुड़े लंबित अपराध शामिल हैं। संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्धारित समय सीमा में जांच पूरी कर न्यायालय में चालान पेश करना होगा।

अब तक पुलिस लाइन को अक्सर ऐसी जगह के रूप में देखा जाता रहा है, जहां फील्ड ड्यूटी से हटाए गए या नई पोस्टिंग की प्रतीक्षा कर रहे अधिकारी-कर्मचारी पदस्थ रहते हैं। कई मामलों में पुलिस लाइन की पोस्टिंग को अपेक्षाकृत कम जिम्मेदारी वाली तैनाती भी माना जाता रहा है। पुलिस आयुक्त के नए फैसले के बाद अब यहां पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को भी विवेचना और लंबित मामलों के निराकरण की जिम्मेदारी निभानी होगी। इससे पुलिस लाइन की कार्य संस्कृति में बदलाव आने की उम्मीद है। पुलिस आयुक्त संजय कुमार के अनुसार, पुलिस लाइन में कई ऐसे अधिकारी और कर्मचारी पदस्थ हैं, जिन्हें थानों में लंबे समय तक विवेचना और कानून-व्यवस्था का अनुभव रहा है। ऐसे अनुभवी मानव संसाधन का उपयोग अब लंबित मामलों के निपटारे में किया जाएगा। इस व्यवस्था से थानों में तैनात विवेचना अधिकारियों पर लंबित मामलों का दबाव कम होगा। साथ ही पुराने मामलों की जांच आगे बढ़ने से पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाने की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है। केस डायरी सौंपने के साथ ही संबंधित पुलिसकर्मियों की विवेचना की नियमित मॉनिटरिंग भी की जाएगी।

स्वामी/प्रकाशक/संपादक उज़्मा सिकंदर द्वारा मुद्रक नरेश मंगतानी द्वारा बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल, 462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं एफ 113/33 शिवाजी नगर भोपाल 462016 से प्रकाशित।
समूह संपादक : अशोक वर्मा, * समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समाचार संपादक : अंसारुल हसन सिद्दीकी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. रजि. MPHIN/2025/A2700, Mail-ID sachesamachar013@gmail.com फोन नं. :- 0755-4152506